वर्ष : 17 ❖ अंक : 146 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
शनिवार, 31 दिसम्बर 2022

2024 में राहुल गांधी होंगे विपक्ष के पीएम कैंडिडेट : कमलनाथ 3 | पीएम मोदी ने बंगाल को दी वंदे भारत की सौगात 8

पंचतत्व में विलीन हुईं हीराबेन

नम आंखों से पीएम मोदी ने मां को दी मुखाग्नि

गांधीनगर, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबेन मोदी का अंतिम संस्कार शुक्रवार सुबह गांधीनगर के श्मशान घाट में किया गया।

हीराबेन का अहमदाबाद के यू.एन. मेहता अस्पताल में निधन हो गया, जहां उन्हें दिल से संबंधित कुछ समस्याओं के लिए बुधवार को भर्ती कराया गया था। नरेंद्र मोदी और उनके बड़े भाई सोमाभाई ने हीराबेन के पार्थिव शरीर को 'अग्निदाह' दिया।

श्मशान घाट पर पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला ने व्यक्तिगत रूप से प्रधानमंत्री के साथ शोक व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने तड़के दिल्ली से उड़ान भरी और अपनी मां को पुष्पांजलि अर्पित की।

हीराबेन (99) को स्वास्थ्य संबंधी कुछ परेशानियों के चलते बुधवार को सुबह अहमदाबाद के यू एन मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर में भर्ती कराया गया था।

अस्पताल ने अपने बुलेटिन में बताया, हीराबेन मोदी का यू एन मेहता हार्ट हॉस्पिटल में इलाज के दौरान 30 दिसंबर 2012 को तड़के करीब साढ़े तीन बजे निधन हो गया।

मोदी ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकांउट में भारी मन से लिखा, एक गौरवशाली शताब्दी ईश्वर के चरणों में टिकी है। मां में मैंने हमेशा उस त्रिमूर्ति को महसूस किया है, जिसमें एक तपस्वी की यात्रा, एक नि:स्वार्थ कर्मयोगी का प्रतीक और मूल्यों के प्रति समर्पित जीवन समाहित है।

दिवंगत आत्मा के सम्मान में वडनगर शहर पूरे दिन बंद रहेगा। वडनगर ट्रेडर्स एसोसिएशन ने सदस्यों से शटर डाउन रखने की अपील की है।

केंद्रीय भूतल एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने श्रद्धांजलि देते हुए अपने ट्वीट में कहा, उनकी आत्मा को शांति मिले और मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि परिवार को दुख सहने की शक्ति दें।

कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हीराबेन को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, हीराबेन मोदी के निधन के बारे में सुनकर गहरा दुख हुआ। नरेंद्र मोदी को उनकी प्यारी मां के निधन पर मेरी हार्दिक संवेदनाएं। इस दुख की घड़ी में हमारे विचार और प्रार्थना पूरे परिवार के साथ है। कांग्रेस पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने श्रद्धांजलि देते हुए ट्वीट किया, ईश्वर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके परिवार को हीराबेन के निधन से हुए दुख का सामना करने की शक्ति दे।

सिक्किम के ऊंचाई वाले स्थानों पर लगातार बर्फबारी

छांगू-नाथुला के लिए परमिट रद्द

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 30 दिसम्बर । सिक्किम के ऊंचाई वाले स्थानों पर लगातार हो रही बर्फबारी के कारण राज्य पुलिस ने शुक्रवार से पर्यटकों को छांगू और नाथुला जाने के लिए परमिट जारी नहीं करने का फैसला किया। गौरतलब है कि राज्य में गत 27 दिसम्बर से लगातार बर्फबारी हो रही है।

राज्य पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि जो पर्यटक परमिट पहले ही जारी किए जा चुके हैं, वे भी रद्द हो जाएंगे।

उन्होंने कहा कि सिक्किम में ऊंचाई वाले स्थानों पर 27 दिसम्बर से भारी बर्फबारी हो रही है, जिससे राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थल छांगू झील और नाथूला का रास्ता बंद हो गया है।

हालांकि, उत्तर सिक्किम जिले के अन्य पर्यटन स्थलों-लाचेन, लाचुंग, गुरुदोंगमार झील और युमथांग के लिए परमिट अभी भी जारी किए जा रहे हैं। अधिकारी ने आगे कहा कि अगर भारी बर्फबारी से उत्तर सिक्किम के पर्यटन स्थलों के लिए सड़कें अवरूद्ध होती हैं, तो पर्यटक परमिट रोक दिया जाएगा।

लाचुंग और लाचेन में पिछले दो दिनों में न्यूनतम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जबकि राज्य की राजधानी गंगटोक में सबसे कम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

पर्यटक का दिल का दौरा पड़ने से निधन

अनुगामिनी का.सं.

कालिम्पोंग, 30 दिसम्बर । कालिम्पोंग घूमने आये एक पर्यटक का दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। गुरुवार की रात पश्चिम दिनापुर से 13 पर्यटक कालिम्पोंग खंड 1 स्थित चरखोल घूमने आए। सभी चारखोल में एक होम स्टे में ठहरे हुए थे। इस बीच, आरघ दास नाम के एक 53 वर्षीय पर्यटक को दिल का दौरा पड़ा जिसके बाद साथियों एवं होमस्टे के कर्मियों ने उन्हें पास के समथार स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

पुलिस ने शुक्रवार को कालिम्पोंग जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया। उनके साथ आए सुमित कुमार दास ने पूरी घटना की जानकारी देते हुए बताा कि रात को खाना खाने के बाद कैंप फायर आयोजित कर सोये थे पर शुगर एवं प्रेशर की दवा खाने वाले आरघ दास की तबियत खराब होने के बाद उन्हें स्वास्थ केंद्र ले जाया गया लेकिन वहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

ज्ञात रहे कि ठण्ड के मौसम में कालिम्पोंग एवं संग्लन इलाके में बड़ी संख्या में पर्यटक आये हुए हैं। इस दौरान यहां का न्यूनतम तापमापन 8-9 एवं अधिकतम तापमान 15 डिग्री रह रहा है। सिक्किम में बर्फ़बारी होने के कारण अभी यहां काफी ठण्ड है।

तीन दिवसीय नामप्रिकदांग नामसुंग महोत्सव शुरु

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 30 दिसम्बर । तीन दिवसीय राज्यस्तरीय 'नामप्रिकदांग नामसुंग महोत्सव 2022' आज सिक्किम के ऊपरी जंगू के नामप्रिकदांग ग्राउंड में भव्य तरीके से शुरू हुआ।

शिक्षा तथा खेल एवं युवा विभाग के मंत्री कुंगा नीमा लेप्चा ने मुख्य अतिथि के रूप में महोत्सव का उद्घाटन किया। उनके साथ जोंगू के विधायक पिंछो नामग्याल लेप्चा भी थे। मुख्य अतिथि का स्वागत जिला उपाध्याय मंगन, मंगन के अतिरिक्त उपायुक्त (विकास), जोंगू के खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) और स्थानीय जेंट्री ने किया।

यह त्योहार लेप्चा संस्कृति को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। इसमें तीन दिनों के दौरान संगीत और परंपराओं के कार्यक्रम, स्थानीय व्यंजनों, कला और कलाकृतियों और स्वदेशी खेलों का प्रदर्शन किया जाएगा। शुरुआत में, जोंगू विधायक ने अपने संक्षिप्त संबोधन में उत्सव के पहले दिन उपस्थित लोगों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्य अतिथि ने जोंगू में त्योहार देखने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने नमसुंग के शुभ अवसर पर अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में, उन्होंने जोंगू की भूमि की पृथ्वी पर स्वर्ग के रूप में प्रशंसा की और क्षेत्र में लोगों द्वारा की गई प्रगति की सराहना की। उन्होंने आगामी शिक्षा नीतियों के बारे में भी जानकारी दी, जिससे शिक्षकों को लाभ होगा और राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा।

सिक्किम ने सड़क दुर्घटनाओं में पूर्वोत्तर भारत में सबसे अधिक मृत्यु दर दर्ज की

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 30 दिसम्बर । सीमित सड़क नेटवर्क और मोटर वाहनों की अधिक संख्या न होने के बावजूद सिक्किम ने 2021 में पूर्वोत्तर भारत में सबसे अधिक सड़क मृत्यु दर दर्ज की है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा देश में सड़क दुर्घटनाओं पर जारी एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। इस रिपोर्ट में वर्ष 2021 के दौरान देश में हुई सड़क दुर्घटनाओं के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्रदान की गयी है।

रिपोर्ट के अनुसार, देश में 2021 के दौरान कुल 4,12,432 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिसमें 1,53,972 लोगों की जान गई और 3,84,448 लोग घायल हुए। इसके पिछले वर्ष 2020 के दौरान देश में कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन के कारण सड़क दुर्घटनाओं, मौतों और चोटों में अभूतपूर्व कमी देखी गयी थी। वहीं दुर्घटनाओं से संबंधित प्रमुख संकेतकों ने 2019 की तुलना में 2021 में बेहतर प्रदर्शन किया है। 2019 की तुलना में 2021 में सड़क दुर्घटनाओं में 8.1 प्रतिशत और चोटों में 14.8 प्रतिशत की कमी आई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021 के दौरान सिक्किम (8.7) ने बिहार (6.8) के बाद उच्चतम मृत्यु दर दर्ज की है। लगभग 50 प्रतिशत राज्यों में राष्ट्रीय औसत 4.0 से अधिक मृत्यु दर है। वहीं सड़क मृत्यु दर में असम 5वें स्थान पर है। इसके अलावा, अरुणाचल प्रदेश ने 2020 की तुलना में 2021 में देश में सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की। राज्य ने 2020 में 134 की तुलना में 2021 में 283 दुर्घटनाएं दर्ज कीं, जो कि 111.2 प्रतिशत की वृद्धि है। राज्य ने 2020 की तुलना में 2021 में दुर्घटनाओं में मारे गए लोगों की संख्या भी सबसे अधिक दर्ज की। 2020 में 73 की तुलना में 2021 में 157 व्यक्तियों की सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु हुई, जो कि 115.1 प्रतिशत की वृद्धि है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ मामूली उतार-चढ़ाव के बावजूद कुल दुर्घटनाओं में पूर्वोत्तर राज्यों का प्रतिशत हिस्सा पिछले पांच वर्षों यानी 2017 से 2021 के दौरान स्थिर रहा है। पूर्वोत्तर राज्यों में असम ने 2017 से 2021 तक सबसे अधिक दुर्घटनाएं दर्ज कीं हैं। 746 दुर्घटनाओं के साथ नागालैंड दूसरे के अलावा दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमश: त्रिपुरा (479) और मणिपुर (366) हैं। मणिपुर को छोड़कर सभी पूर्वोत्तर राज्यों में 2020 की तुलना में 2021 में दुर्घटनाओं (शेष पृष्ठ ०३ पर)

दिल्ली सरकार के स्कूली छात्रों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है : मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली सरकार के स्कूली छात्रों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और वे अपनी कड़ी मेहनत तथा दृढ़ निश्चय के बूते हर क्षेत्र में परचम लहरा रहे हैं। सरकारी स्कूलों के वार्षिक दिवस समारोहों में भाग लेते हुए सिसोदिया ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना दिल्ली सरकार की प्राथमिकता रही है और स्कूलों को टेंट वाले से टैलेंट (प्रतिभा) वाले स्कूलों में बदला गया है। सिसोदिया ने कहा, हमारे स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। अपने शानदार प्रदर्शन और दृढ़ निश्चय के आधार पर वे हर क्षेत्र में शीर्ष स्थान हासिल कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, हमारे शिक्षकों ने भी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराने के लिए कड़ी मेहनत की। किसी वक्त में टेंट स्कूल' कहे जाने वाले दिल्ली सरकार के स्कूल अब टैलेंट स्कूलों' में बदल गए हैं। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार ने पिछले आठ वर्ष में सरकारी स्कूलों में स्कूल बुनियादी ढांचे, शिक्षकों के प्रशिक्षण और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया है। उन्होंने कहा, पहले, अभिभावक बेबसी और वित्तीय दिक्कतों के कारण अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में भेजते थे लेकिन अब वे अपने बच्चों को हमारे स्कूलों में भेजकर गर्व महसूस करते हैं।

उन्होंने कहा, पिछले आठ वर्ष में दिल्ली सरकार के स्कूलों में बुनियादी ढांचे, शिक्षकों के प्रशिक्षण और शिक्षा की गुणवत्ता के क्षेत्र में उत्कृष्ट काम हुआ है। अभिभावकों को अब अहसास हो रहा है कि हमारे स्कूलों में उनके बच्चों का भविष्य सुरक्षित है। उन्होंने यह भी कहा कि निजी स्कूलों में पढ़ रहे कई बच्चों ने पिछले कुछ वर्ष में दिल्ली के सरकारी स्कूलों में दाखिला कराया है। सिसोदिया ने कहा, दिल्ली सरकार के स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता और बुनियादी ढांचे के मामले में निजी स्कूलों को टक्कर दे रहे हैं।

सचिवालय के कर्मचारियों को सख्त निर्देश, हिमाचल सरकार की गोपनीयता लीक हुई तो बख्शे नहीं जाएंगे

शिमला, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। हिमाचल प्रदेश सरकार ने सचिवालय में तैयार की जाने वाली योजनाओं की गोपनीयता को लीक करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर कर दी है। शुक्रवार को सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से एक पत्र जारी कर फैसले लेने की प्रक्रिया के दौरान जानकारी को लीक करने वालों को अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए चेताया है।

सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी प्रशासनिक सचिवों सहित शाखा प्रभारियों, निजी सचिवों और अनुभाग अधिकारियों को इस बाबत लिखित निर्देश जारी किए हैं। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि सचिवालय की गोपनीय सूचनाएं लीक होने की लगातार शिकायतें मिल रही हैं। सरकारी कार्यों में कोताही बरतने और सीसीएस नियम 1964 का यह उल्लंघन हैं।

सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सरकारी योजनाओं और फैसलों की गोपनीयता का पूरा ख्याल रखने को कहा गया है। पत्र में कहा है कि जब तक सरकार कोई निर्णय लेने संबंधी अधिसूचना जारी ना कर दे, तब तक किसी भी सूचना को किसी के साथ साझा न किया जाए। भविष्य में इस तरह के मामले अगर सामने आए तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश में सीएम हेल्पलाइन नंबर 1100 बंद नहीं होगा। हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली को और अधिक मजबूत किया जाएगा। जन शिकायतों के निवारण को नवोन्मेषी योजनाएं शुरू की जाएंगी। शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री ने टुटीकंडी क्रॉसिंग स्थित बहुमंजिला पार्किंग का निरीक्षण किया। उन्होंने 11 मंजिला इस भवन में अभी छह मंजिलें खाली होने पर चिंता जताते हुए किराए के भवनों में चल रहे सरकारी कार्यालयों को यहां शिफ्ट करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि परिसर में सभी खाली दीवारों पर विशाल खिड़कियों का निर्माण किया जाना चाहिए, ताकि उचित हवा और रोशनी का प्रवाह हो सके। उन्होंने कहा कि पार्किंग की ऊपरी मंजिलों पर हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों की चार्जिंग के लिए चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए कि इस पार्किंग में किसी भी निजी बस को खड़ा नहीं होने दिया जाए।

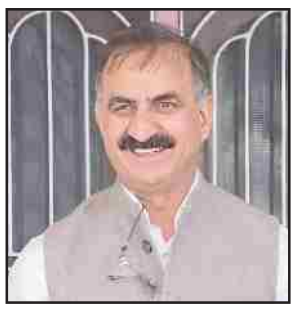

सीएम हेल्पलाइन कार्यालय का निरीक्षण करते हुए लोगों की शिकायतों के त्वरित निवारण के लिए सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अधिकारियों को हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने नागरिकों से स्वचालित प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए व्हाट्सएप, चैट बॉट्स और वॉयस बॉट्स जैसी नवोन्मेषी योजनाएं शुरू करने पर भी बल दिया। इस अवसर पर निदेशक सूचना प्रौद्योगिकी मुकेश रेपसवाल ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली पर प्रस्तुति दी। विधायक अनिरुद्ध सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त प्रबोध सक्सेना, प्रधान सचिव भरत खेड़ा, सुभाशीष पंडा, देवेश कुमार, मुख्यमंत्री के ओएसडी गोपाल शर्मा, हिमाचल पथ परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक संदीप कुमार, नगर निगम शिमला के आयुक्त आशीष कोहली इस दौरान मौजूद रहे।

विजिलेंस के रडार पर पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी, बेटे की शादी पर सरकारी खर्च का आरोप

चंडीगढ़, 30 दिसम्बर (एजेंसी)। कुछ समय पहले विदेश से लौटे पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता चरणजीत सिंह चन्नी विजिलेंस के रडार पर आ गए हैं। उनके खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो को एक शिकायत मिली है। आरोप है कि 19 दिसंबर 2021 को चमकौर साहिब में दास्तान-ए-शहादत थीम पार्क का शुभांरभ हुआ था। इसके खर्च में धोखाधड़ी हुई है। वहीं, उन्होंने अपने बेटे की शादी पर भी कुछ सरकारी खर्च किया है। दूसरी तरफ मीडिया से बातचीत में चरणजीत सिंह चन्नी का कहना है कि सरकार उन्हें जबरदस्ती जेल में डालने की रणनीति बना रही है। इसके लिए एक नहीं उनके खिलाफ कई जांच खोली जा रही है।

पता चला है कि बठिंडा के रहने वाले एक व्यक्ति की तरफ से विजिलेंस को शिकायत दी गई थी। उन्होंने शिकायत में बताया है कि दास्तान-ए-शहादत थीम पार्क के उदघाटन समारोह में एक करोड़ 47 लाख रुपये का खर्च किया गया, जोकि मार्केट रेट से अधिक था। इसके अलावा उनके बेटे की शादी संबंधी किए गए खर्च पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि चन्नी के पास ही उस समय पर्यटन विभाग था। शिकायत मिलने के बाद विजिलेंस काफी समय से इस मामले की पड़ताल कर रही है।

पूर्व सीएम चन्नी ने कहा कि यह सब कुछ बदलाखोरी के लिए किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वह तीन महीने पंजाब के मुख्यमंत्री रहे यही बात सब पर भारी पड़ी हुई है। पंजाब सरकार उनके पीछे पड़ गई है। पूर्व सीएम चन्नी ने कहा कि पहले कहते थे बाहर से आता नहीं है और अब जब आ गया हूं तो उनके पीछे विजिलेंस लगा दी है। उनके सारे बैंक खाते व प्रॉपर्टी चैक की जा रही है। उन्होंने यहां भी कहा कि इन सब बातों को वह फेस करने के लिए तैयार हैं।

17 एकड़ में 10 साल में दास्तान-ए-शहादत थीम पार्क बनाया गया था। इस पर 55 करोड़ की लागत आई थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस दौरान सारे सरकारी नियमों को ताक में रखकर काम किए गए हैं। चाय, खाना व टैंट आदि बाजार से अधिक रेट पर बुक किए गए। ठेका देते समय में भी नियमों की अनदेखी गई।

पीएम मोदी ने राष्ट्रीय गंगा परिषद की दूसरी बैठक की अध्यक्षता की, ममता भी मौजूद

कोलकाता, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांधीनगर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोलकाता में हो रही राष्ट्रीय गंगा परिषद की दूसरी बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी मौजूद रहीं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी बैठक में हिस्सा लिया।

राष्ट्रीय गंगा परिषद की पहली बैठक 14 दिसंबर 2019 को उत्तर प्रदेश के कानपुर में हुई थी। इसके बाद अब परिषद की बैठक 30 दिसंबर 2022 को कोलकाता में आयोजित हो रही है। राष्ट्रीय गंगा परिषद के अध्यक्ष प्रधानमंत्री तथा पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के प्रतिनिधि इसके सदस्य होते हैं। इन राज्यों के मुख्यमंत्री इसकी बैठक में हिस्सा लेते हैं।

परिषद में जल शक्ति मंत्रालय, स्वच्छता एवं पेयजल मंत्रालय, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पोत परिवहन मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय के अलावा नीति आयोग शामिल होते हैं।

भारत वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की राह पर अग्रसर : जयशंकर

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को साइप्रस में निवेशकों से कहा कि भारत वैश्विक समुदाय के लिए एक विनिर्माण केंद्र बनने की राह पर है और वर्ष 2025 तक 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का भी लक्ष्य रखा गया है। साइप्रस के दौरे पर पहुंचे जयशंकर ने यहां भारतीय उच्चायोग की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में हुई प्रौद्योगिकी एवं ढांचागत प्रगति ने दुनिया का ध्यान भारत में निवेश की ओर आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि भारत और साइप्रस के बीच द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच पिछले साल करीब 21.4 करोड़ डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। उन्होंने कहा कि साइप्रस पिछले 20 वर्षों में 12 अरब डॉलर के कुल निवेश के साथ भारत में 10वां सबसे बड़ा निवेशक है। भारत ने कोविड-19 महामारी के दौरान साइप्रस को हाइड्रोक्सी क्लोरोक्वीन और पेरासिटामोल जैसी जरूरी दवाओं के साथ लोहा, इस्पात, सिरेमिक उत्पाद और बिजली मशीनरी उत्पादों का निर्यात किया।

भारत और साइप्रस के बीच द्विपक्षीय संबंधों के 60 साल पूरे होने के मौके पर यहां आए मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में हुई प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे की प्रगति के चलते भारत दुनिया में निवेश का प्रमुख गंतव्य बन गया है। इसके साथ ही विदेश मंत्री ने यूरोपीय संघ के साथ भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर फिर से बातचीत शुरू करने में साइप्रस की भूमिका की सराहना भी की।

उन्होंने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ एफटीए पर बातचीत वर्ष 2013 से ही स्थगित चल रही थी लेकिन साइप्रस की सरकार ने इसे बहाल करने में मददगार भूमिका निभाई। जयशंकर ने इस बात पर बल दिया कि जी-20 समूह का अध्यक्ष रहते हुए भारत ऊर्जा, खाद्यान्न एवं उर्वरकों को किफायती बनाने एवं पहुंच आसान बनाने के मुद्दे पर काम करने का इरादा रखता है। भारत ने एक दिसंबर को ही इस समूह का नेतृत्व संभाला है।

केंद्र सरकार ने संयुक्त सचिव स्तर पर फेरबदल किया, विभिन्न विभागों में 19 नौकरशाहों की नियुक्ति की

राजेश अलख

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर । केंद्र ने शुक्रवार को वरिष्ठ स्तर पर नौकरशाही में फेरबदल के तहत अपने विभिन्न विभागों में 19 नौकरशाहों की नियुक्ति की। कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, पदम लाल नेगी को नागरिक उड्डयन मंत्रालय में संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, संजीव कुमार कासी को कोयला मंत्रालय में संयुक्त सचिव और गंगाधर पांडा को विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के बिहार कैडर के 2000 बैच के अधिकारी जितेंद्र श्रीवास्तव को पेयजल और स्वच्छता विभाग में संयुक्त सचिव और के. मनिका राज को आर्थिक मामलों के विभाग में संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है। प्रीत पाल सिंह को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में संयुक्त सचिव, रीना सोनोवाल कौली को उच्च शिक्षा विभाग में संयुक्त सचिव, लोखंडे प्रशांत सीताराम को गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव और चितरंजन दास तथा रविशंकर को प्रधान आयुक्त, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के रूप में नियुक्त किया गया है।

आदेश में कहा गया कि दीपिका कच्छल श्रम और रोजगार मंत्रालय में संयुक्त सचिव, मनीष कुमार कनौजिया खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), मुंबई के वित्तीय सलाहकार, सुरेंद्र मेहरा सलाहकार, नीति आयोग और संजीव उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग में संयुक्त सचिव होंगे। लुकास लाइकोनसिंग कामसूआन को लोक उद्यम विभाग में संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है।

अंशु मनीष खलखो राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के निदेशक (ए एंड एफ) होंगे। आदेश के अनुसार ए धनलक्ष्मी को संयुक्त सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, मेबनशैलंग आर सिनरेम को संयुक्त सचिव, पर्यटन मंत्रालय तथा प्रीतम बी यशवंत को संयुक्त सचिव, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय नियुक्त किया गया है।

देश भर में ग्रामीण स्तर पर स्थापित करेंगे दो लाख प्राथमिक डेयरी, दुग्ध क्षेत्र में भारत को बनाएंगे बड़ा निर्यातक: शाह

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि तीन साल में देश भर में ग्रामीण स्तर पर दो लाख प्राथमिक डेयरी स्थापित की जाएंगी, जो किसानों को श्वेत क्रांति से जोड़ेंगी और भारत को दुग्ध क्षेत्र में एक बड़ा निर्यातक बनाएंगी। शाह ने एक अलग सहकारिता मंत्रालय बनाने और भारत के किसानों के लिए प्रगति का मार्ग खोलने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना भी की। शाह ने कहा, आजादी के तुरंत बाद भारतीय किसानों ने मांग की थी कि सहकारिता मंत्रालय, कृषि मंत्रालय से अलग होना चाहिए, यदि किसी ने इस पर काम किया होता, तो आज भारतीय किसानों की स्थिति कुछ और होती।

यहां गेजलगेरे में एक विशाल डेयरी का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'इस मंच से मैं देश भर में सहकारी समितियों से जुड़े सभी लोगों से कहना चाहता हूं कि अब उनके साथ कोई अन्याय नहीं होगा, यह भारत सरकार का फैसला है।' शाह ने कहा कि अगले तीन वर्षों में देश की प्रत्येक पंचायत में एक प्राथमिक डेयरी स्थापित करने का निर्णय लिया गया है और इसके लिए केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय ने तीन साल की कार्य योजना तैयार की है। उन्होंने कहा, हम तीन साल में देश भर में ग्रामीण स्तर पर 2 लाख प्राथमिक डेयरी स्थापित करेंगे, इसके माध्यम से हम देश भर के किसानों को श्वेत क्रांति से जोड़ेंगे और इससे भारत दुग्ध क्षेत्र में एक बड़ा निर्यातक बन जाएगा।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा, आदिचुनचनागिरि मठ के प्रमुख निर्मलानंदनाथ स्वामीजी, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, राज्य के सहकारिता मंत्री एस टी सोमशेखर भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। मांड्या जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक महासंघ लिमिटेड ने यहां मद्दुर तालुक के गेजलगेरे स्थित अपने परिसर में एक विशाल डेयरी इकाई की स्थापना की है। इकाई 10 एलएलपीडी (लाख लीटर प्रतिदिन) दूध, दूध पाउडर और अन्य डेयरी उत्पादों का उत्पादन कर सकती है। परियोजना की कुल लागत 260.90 करोड़ रुपये है। यह उल्लेखित करते हुए कि क्षमता को बढ़ाकर 14 एलएलपीडी किया जा सकता है।

शाह ने कहा, जब इतनी बड़ी मात्रा में दूध का प्रसंस्करण किया जाएगा तो इससे लाखों किसानों और उनके परिवारों में खुशी आएगी। उन्होंने कहा कि कर्नाटक उन राज्यों में है जहां सहकारी डेयरी बहुत अच्छी तरह से काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, राज्य में 15,210 ग्राम स्तरीय सहकारी डेयरी हैं, जहां 26,22,000 किसान दूध की आपूर्ति करते हैं। 16 जिला स्तरीय डेयरी के माध्यम से 26 लाख किसानों के बैंक खाते में 28 करोड़ रुपये जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि 1975 से 2022 तक कर्नाटक ने डेयरी क्षेत्र में अच्छी प्रगति की है। उन्होंने कहा कि 1975 में 66,000 किलोलीटर दूध का प्रसंस्करण होता था और अब प्रतिदिन 82 लाख किलोलीटर दूध का प्रसंस्करण हो रहा है।

उन्होंने कहा कि दुग्ध संघ का सालाना कारोबार 4 करोड़ रुपये का होता था, जो अब बढ़कर 25 हजार करोड़ रुपये का हो गया है। उन्होंने कहा कि कारोबार का एक बड़ा हिस्सा आज किसानों के हाथ में जा रहा है। शाह ने कहा कि अमूल और नंदिनी (केएमएफ की) मिलकर यह सुनिश्चित करने की दिशा में काम करेंगे कि कर्नाटक के हर गांव में एक प्राथमिक डेयरी हो। शाह ने कहा कि तीन साल में कर्नाटक में एक भी ऐसा गांव नहीं होगा, जहां कोई प्राथमिक डेयरी नहीं होगी। केएमएफ (कर्नाटक दुग्ध महासंघ) को सहकारिता मंत्रालय से सभी प्रकार की तकनीकी और अन्य सहायता का आश्वासन देते हुए उन्होंने कहा कि कर्नाटक और गुजरात मिलकर दूध उत्पादक किसानों के कल्याण के लिए चमत्कार कर सकते हैं। उन्होंने डेयरी क्षेत्र और इससे जुड़े किसानों को समर्थन देने के लिए बोम्मई सरकार की सराहना भी की।

कार्यकाल पूरा करेगी मेरी सरकार : सीएम शिंदे

'प्रचंड बहुमत के साथ दोबारा सत्ता में आएंगे'

मुंबई, 30 दिसम्बर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को कहा कि उनकी बालासाहेबंची शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की गठबंधन सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी और अगले चुनाव में फिर सत्ता में आएगी। राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन विधानसभा में विपक्ष के पिछले सप्ताह के प्रस्ताव के जवाब में उन्होंने शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे पर भी निशाना साधा। सीएम शिंदे ने कहा कि लोगों ने उनकी सरकार के प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है और हाल के ग्राम पंचायत चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन को भारी विजय प्रदान की है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी और अगले चुनाव के बाद प्रचंड बहुमत के साथ दोबारा सत्ता में आएगी।

सीएम शिंदे ने कहा कि विपक्ष को भ्रष्टाचार को लेकर उनपर निशाना साधने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है क्योंकि पिछली महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार ने लोकायुक्त अधिनियम नहीं बनाया, जो उनकी सरकार ने किया और मुख्यमंत्री के कार्यालय को भी इसके दायरे में लेकर आई। शिंदे की बगावत के कारण शिवसेना में टूट हुई और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास आघाड़ी सरकार जून में गिर गई थी। मुख्यमंत्री ने ठाकरे पर भी निशाना साधा।

सीएम शिंदे ने कहा, इन सभी महीनों में मुझ पर हमला किया गया और निशाना बनाया गया। मेरी खामोशी को मजबूरी मत समझिए.... मैं अंदर की सारी बातें जानता हूं। उद्धव ठाकरे का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि यह हास्यास्पद है कि जो मुख्यमंत्री होने के बावजूद घर से बाहर नहीं निकला, वह अब दूसरों को चुनौती देने की भाषा बोल रहा है।

सीएम शिंदे ने उद्धव पर निशाना साधते हुए कहा, मुख्यमंत्री रहते हुए ढाई साल तक घर से बाहर कदम नहीं रखने वाले किसी शख्स ने मुख्यमंत्री को दिखाने के लिए इनाम की घोषणा की थी। हमने मुख्यमंत्री और सरकार बदली और उस पैसे को बचा लिया।

उल्लेखनीय है कि कोविड-19 महामारी के दौरान घर से काम करने को लेकर उद्धव को आलोचना का सामना करना पड़ा था। शिंदे ने कहा, वह विधायिका के सदस्य के रूप में इस्तीफा देने की बात करते हैं लेकिन एमएलसी (विधान परिषद सदस्य) बने रहते हैं। कम से कम आपने सार्वजनिक रूप से जो वादा किया है उसका सम्मान करें। वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देते वक्त ठाकरे द्वारा एमएलसी पद छोड़ने की घोषणा का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने कहा, (शिवसेना के संस्थापक और उद्धव के पिता) बालासाहेब ठाकरे ने भले ही मुझे जन्म न दिया हो, लेकिन उन्होंने हमें हमारी विचारधारा दी है। यह लोगों को तय करना है कि उनकी विरासत को कौन आगे लेकर जाता है, जो इसे आगे बढ़ाते हैं या सत्ता के लिए इसे बेचने वाले।

सीएम शिंदे ने कहा कि उद्धव ठाकरे ने उस दिन बाल ठाकरे के पैर छूने का अधिकार खो दिया था, जिस दिन उन्होंने एमवीए सरकार

बनाने के लिए कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से हाथ मिलाया था। उन्होंने कहा, माफी मांगिए और मुझे लगातार नीचा दिखाने के बजाय स्वतंत्र रहिए। शिंदे की आलोचना से एक दिन पहले ठाकरे ने नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय का दौरा करने के लिए उनकी (मुख्यमंत्री की) आलोचना की थी।

मुख्यमंत्री ने कहा, मैं बालासाहेब की विरासत को आगे बढ़ाता हूं, इसलिए मैं गोविंदबाग (बारामती में राकांपा प्रमुख शरद पवार का आवास) नहीं बल्कि रेशमबाग (जहां आरएसएस कार्यालय स्थित है) गया था। उन्होंने कहा कि विपक्ष को सरकार को यह उपदेश देने का कोई अधिकार नहीं है कि राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान कैसे किया जाए।

सीएम शिंदे ने विपक्षी नेताओं के पिछले बयानों का जिक्र करते हुए कहा, किसने छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशजों से सबूत दिखाने को कहा कि वे उनके परिवार के हैं ? किसने जानबूझकर (स्वतंत्रता सेनानी वी डी) सावरकर का अपमान किया। उन्होंने मुंबई में अभिनेत्री कंगना रनौत के घर को गिराए जाने, एमवीए सरकार के दौरान पत्रकार राहुल कुलकर्णी और अर्नब गोस्वामी, केंद्रीय मंत्री नारायण राणे, सांसद नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा की गिरफ्तारी की भी उल्लेख किया।

भगवान राम और हनुमान जी नी बीजेपी का कॉपीराइट नहीं : उमा भारती

भोपाल, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने भगवान राम और हनुमान की भक्ति पर एक बड़ा बयान दिया है। बीजेपी नेता ने कहा कि भगवान राम और हनुमान पर भाजपा का कॉपीराइट नहीं है, भगवान राम का भक्त कोई भी हो सकता है।

उमा भारती ने कहा, भगवान राम और हनुमान पर भाजपा का कॉपीराइट नहीं है। भगवान राम और हनुमान बीजेपी के कार्यकर्ता नहीं हैं। जब भाजपा का अस्तित्व नहीं था, जब मुगल शासन था, अंग्रेजों का शासन था तब भी भगवान राम और हनुमान थे। अगर हम भाजपा वालों ने ये भ्रम पाल लिया है कि जब हमने आंखें खोली तब सूरज-चांद निकल आए, तो फिर ये हमारे लिए विनाशकारी साबित होगा।

मध्यप्रदेश में छिंदवाड़ा जिले के सिमरिया में कमलनाथ द्वारा बनवाए गए हनुमान मंदिर पर पहुंची पूर्व उमा भारती ने कहा, हम कभी भी यह भ्रम ना पालें कि सारा हिंदू समाज हमारा वोटर होगा। नहीं हो सकता है। उनकी अपनी आस्था होगी। क्या सारा हिंदू समाज हमारा वोटर है। भले ही हमने राम मंदिर का निर्माण किया हो। उन्होंने आगे कहा, हिमाचल में हम नहीं जीत पाए तो क्या वे अहिंदू थे जिन्होंने हमें वोट नहीं दिया। जहां लोकतांत्रिक व्यवस्था है वहां आप किसी धर्म, किसी जाति, किसी मत और किसी व्यक्ति को बंधक नहीं बना सकते हैं। यही बात मोदी जी ने भी कही।

भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता ने शस्त्र रखने को लेकर प्रज्ञा ठाकुर का बिना नाम लिए बिना कहा कि शस्त्र लाइसेंस सरकार ही देती है। हिंदुओं के सभी देवी-देवता भी शस्त्र धारण किए हुए हैं। शस्त्र नही हिंसक भाव बुरा है। उन्होंने कहा कि शस्त्र धारी व्यक्ति अहिंसक और निशस्त्र व्यक्ति भी हिंसक हो सकता है। हमारे मन में क्या है इससे हिंसा-अहिंसा तय होती है।

इससे पहले भोपाल में लोधी समाज के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उमा भारती ने कहा था, मैं चुनाव में आऊंगी। मंच से संबोधित करूंगी, लेकिन मैं यह नहीं कहूंगी की तुम बीजेपी को वोट करो। मैं सभी से कहती हूं कि तुम बीजेपी को वोट करो क्योंकि मैं तो अपनी पार्टी की निष्ठावान सिपाही हूं। पर मैं आपसे थोड़ी अपेक्षा करूंगी कि आप पार्टी के निष्ठावान सिपाही होंगे। बीजेपी नेता ने कहा था कि अगर आप पार्टी के कार्यकर्ता नहीं है, अगर आप पार्टी के वोट नहीं है तो आपको सारी चीजों को देखकर ही अपने बारे में फैसला करना है।

हीराबेन के निधन पर सत्ता पक्ष-विपक्ष ने जताया शोक

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबेन मोदी के निधन पर पक्ष, विपक्ष के नेताओं ने शुक्रवार को शोक जताया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता हीराबेन मोदी के निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी गहरा शोक व्यक्त किया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ट्वीट कर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबा का सौ वर्षों का संघर्षपूर्ण जीवन भारतीय आदशरें का प्रतीक है। नरेंद्र मोदी ने 'मातृदेवोभव' की भावना और हीराबा के मूल्यों को अपने जीवन में ढाला। मैं पुण्यात्मा की शांति के लिए प्रार्थना करती हूं। परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं।

वहीं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी शोक व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की माता जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता हूँ। हीराबेन मोदी, उन्होंने मातृत्व के गुण को दशार्ते हुए सादगी और उदात्तता का उदाहरण दिया। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को चिर शांति प्रदान करें।

भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने भी मोदी की मां हीराबेन के निधन पर शुक्रवार को शोक जताया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पूज्नीय माताजी हीरा बा के निधन की खबर जानकर बहुत दुख हुआ। किसी व्यक्ति के जीवन में मां पहली मित्र और अध्यापक होती है, जिसका चले जाना निसंदेह दुनिया में सबसे बड़ा दुख है। उन्होंने लिखा कि परिवार के पालन पोषण के लिए हीरा बा ने जिन संघर्षों का सामना किया, वह सभी के लिए एक आदर्श है।

गृह मंत्री ने कहा, उनका त्यागमय, तपस्वी का जीवन हमेशा हमारी स्मृतियों में रहेगा। पूरा राष्ट्र दुख की इस घड़ी में प्रधानमंत्री मोदी और उनके परिवार के साथ खड़ा है। हीरा बा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मां का जाना जीवन में एक ऐसा शून्य पैदा कर देता है जिसे भरना असंभव है।

उन्होंने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मां, हीरा बा के निधन से मुझे बहुत दुख हुआ। मां का निधन जीवन में एक ऐसा शून्य पैदा कर देता है जिसे भरना असंभव है। मैं दुख की इस घड़ी में प्रधानमंत्री और उनके समस्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं।

श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि संघर्षों से भरे मुश्किल जीवन में हीराबेन ने अपने परिवार को ऐसे मूल्य दिए जिनसे देश को मोदी जैसा नेता मिला। उन्होंने कहा कि हीराबेन की सादगी और ममता से ओतप्रोत छवि हमेशा हम सब के मन में रहेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबेन मोदी के निधन पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भारतीय जनता पार्टी के तथा विपक्षी दलों के विभिन्न नेताओं ने शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री के दुख के साथ स्वयं को संबद्ध करते हुए शुक्रवार को एक ट्वीट में कहा 'एक पुत्र के लिए माँ पूरी दुनिया होती है। माँ का निधन पुत्र के लिए असहनीय और अपूरणीय क्षति होती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पूज्य माता जी का निधन अत्यंत दु:खद है। प्रभु श्री राम दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें। ॐ शांति!'

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने ट्वीट किया, श्रीमती हीराबेन मोदी के निधन के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ। नरेन्द्र मोदी जी के प्रति गहरी संवेदना है। दुख की इस घड़ी में पूरे परिवार के प्रति हमारी संवेदना है। राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा, प्रधानमंत्री नरेंद मोदी जी की माताजी श्रीमती हीरा बा के निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। इस मुश्किल समय में, मैं उन्हें और उनके परिजनों के लिए अपनी गहरी संवेदनाएं और प्यार व्यक्त करता हूं।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की माता जी के निधन का दुखद समाचार मिला। ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को श्रीचरणों में स्थान दें एवं मोदी जी और उनके परिवार के समस्त सदस्यों को पीड़ा के इन क्षणों में साहस दें। ओम शांति!

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सुरजेवाला, आनंद शर्मा और अन्य नेताओं ने भी प्रधानमंत्री की मां के निधन पर शोक जताया।

समाजवादी पार्टी (सपा) ने भी अपने आधिकारिक हैंडल से ट्वीट कर प्रधानमंत्री की माता के निधन पर दुख व्यक्त किया है। ट्वीट में कहा गया 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माताजी श्रीमती हीराबेन मोदी जी का देहावसान, अत्यंत दुखद! ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें। शोक संतप्त परिवार के प्रति गहन संवेदना। भावभीनी श्रद्धांजलि!'

बहुजन समाजवादी पार्टी की मुखिया मायावती ने ट्वीट के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी की माता के निधन पर संवेदना प्रकट की। उन्होंने कहा 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की माता जी श्रीमती हीराबेन के निधन की खबर अति-दु:खद। उनके पूरे परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदना। कुदरत उन्हें एवं उनके सभी चाहने वालों को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।'

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट किया, माननीय प्रधानमंत्री जी को मातृ शोक का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। माँ का जाना जीवन से मुख्य आधार स्तंभ के ढह जाने जैसा होता है। एक ऐसी क्रिया, जिसकी शून्यता सदैव अनुभव होती है।उन्होंने कहा, इस शोक की घड़ी में ईश्वर मोदी जी, उनके परिवारजनों को साहस और माता जी की आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे।

देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता हीराबेन मोदी के निधन पर गहरा दुख जताते हुए कहा है कि मां को खोने से बड़ा कोई दुख नहीं है।

आडवाणी ने बयान जारी कर कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता श्रीमती हीराबेन मोदी के निधन पर मैं गहरा शोक व्यक्त करता हूं। नरेंद्र भाई अक्सर अपनी माता के साथ स्पेशल बॉन्डिंग, उनकी सादगी और उनके देखभाल करने वाले व्यक्तित्व का जिक्र किया करते थे।

आडवाणी ने आगे कहा कि, अपनी मां को खोना किसी के भी जीवन का सबसे दुखद क्षण होता है। मेरी हार्दिक संवेदनाएं नरेंद्र भाई और उनके परिवार के सभी सदस्यों के साथ है। ईश्वर उन्हें इस अपार क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें। ओम शांति।

दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने एक ट्वीट में कहा कि ईश्वर प्रधानमंत्री को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। उपराज्यपाल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीरा बा के निधन से गहरा दुख हुआ है। दुख की इस घड़ी में करोड़ों देशवासियों सहित मैं मां को मोक्ष की कामना करता हूं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह प्रधानमंत्री को अपनी मां के निधन से हुए दुख को सहन करने की शक्ति दें। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने कहा कि हीरा बा के निधन की खबर बेहद दुखद है। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में वह प्रधानमंत्री तथा उनके परिवार के प्रति संवेदना जताते हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वह उन्हें यह दुख सहन करने की शक्ति तथा संबल प्रदान करें।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां हीराबेन का शुक्रवार को तड़के अहमदाबाद के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 99 वर्ष की थीं।

2024 में राहुल गांधी होंगे विपक्ष के पीएम कैंडिडेट : कमलनाथ

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने 'भारत जोड़ो यात्रा' को लेकर राहुल गांधी के नेतृत्व की सराहना करते हुए शुक्रवार को कहा कि वह (राहुल) वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष का चेहरा ही नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री पद का चेहरा भी होंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सत्ता की नहीं, बल्कि जनता की राजनीति करते हैं, ऐसे नेता को देश के लोग खुद-ब-खुद सिंहासन पर बैठा देते हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या राहुल गांधी अगले लोकसभा चुनाव में विपक्ष का चेहरा हो सकते हैं, तो कमलनाथ ने कहा, जहां तक 2024 के चुनाव का सवाल है, तो राहुल गांधी जी विपक्ष का चेहरा ही नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री का चेहरा भी होंगे। उनके मुताबिक, दुनिया के इतिहास में 3500 किलोमीटर से अधिक की पैदल यात्रा किसी व्यक्ति ने नहीं की है। भारत देश के लिए इतनी शहादत किसी परिवार ने नहीं दी है, जितनी गांधी परिवार ने दी है।

कमलनाथ ने कहा, राहुल गांधी सत्ता की राजनीति नहीं करते हैं। वह जनता की राजनीति करते हैं और जो जनता की राजनीति करता है, जनता उसे खुद-ब-खुद सिंहासन पर बैठा देती है। हाल के दिनों में यह पहली बार है, जब कांग्रेस के किसी वरिष्ठ नेता ने यह कहा है कि अगले लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी प्रधानमंत्री पद का चेहरा होंगे।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष 76 वर्षीय कमलनाथ ने कहा, 'जब भारत जोड़ो यात्रा' तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक जैसे दक्षिण भारत के राज्यों से गुजर रही थी, तो भाजपा ने दुष्प्रचार किया कि महाराष्ट्र में यात्रा विफल हो जाएगी। जब महाराष्ट्र में यात्रा को और ज्यादा समर्थन मिला, तो कहा कि हिन्दी पट्टी में दक्षिण भारत जैसा

समर्थन नहीं मिल पाएगा, लेकिन मध्य प्रदेश पहुंचकर यात्रा ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। उन्होंने यह भी कहा, अब तो सबने राजस्थान और उसके बाद दिल्ली में भी देख लिया है कि राहुल गांधी जी की यात्रा किस कदर लोकप्रिय हो रही है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में 'भारत जोड़ो यात्रा' में कांग्रेस के कार्यकर्ता ही शामिल नहीं हुए, बल्कि आम जनता और खासकर नौजवानों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, राहुल गांधी स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत जोड़ो यात्रा' कोई राजनीतिक यात्रा नहीं है। इस यात्रा का उद्देश्य भारत को तोड़ने वाली शक्तियों को पराजित करना और नफरत को समाप्त करना है। जहां तक चुनाव का सवाल है, तो मध्य प्रदेश में प्रचंड बहुमत से कांग्रेस की सरकार बननी तय है। भारत जोड़ो यात्रा' के बाद कार्यकर्ता दोगुने उत्साह से कार्य कर रहे हैं।

नामप्रिकदांग नामसुंग महोत्सव में शामिल हुए मंत्री सोनाम लामा

अनुगामिनी नि.सं.

मंगन, 30 दिसम्बर । जिले में आयोजित राज्यस्तरीय नामप्रिकदांग नामसुंग महोत्सव के दूसरे दिन आज मंत्री सोनम लामा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ ही जंगू विधायक पिंछो नामग्याल लेप्चा, मंगन जिलाध्यक्ष एवं जिला उपाध्याय के अलावा एडीसी विकास, जोंगू एसडीएम एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। उत्सव के दूसरे दिन आज विभिन्न कलाकारों द्वारा पारम्परिक कार्यक्रमों, खेलों एवं प्रदर्शनों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मंत्री लामा ने सभी को महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए 1976 से लगातार भव्य तरीके से त्योहार मनाने हेतु जंगू के लोगों की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने लेप्चा समुदाय की लुप्त हो रही परम्पराओं और संस्कृति को संरक्षण एवं बढ़ावे पर प्रकाश डाला। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की माता हीराबेन के निधन पर अपनी संवेदना भी प्रकट की।

तीरंदाजी प्रतियोगिता का फाइनल सम्पन्न

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 30 दिसम्बर । तथांगचेन यार्गे एसोसिएशन द्वारा गत 4 दिसम्बर से शुरू हुए डेंजोंग लोसुंग अंतर ग्रामीण परम्परागत तीरंदाजी प्रतियोगिता का फाइनल मैच आज राजधानी के गार्ड ग्राउंड में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर राजकुमारी हपलिजम मुख्य अतिथि और राज्य सरकार के मंत्री केएन लेप्चा विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। उनके अलावा कार्यक्रम में पूर्व विधायक कुंगा जांग्पो भूटिया और अन्य भी मौजूद रहे। प्रतियोगिता में राज्य की कुल 25 टीमों ने हिस्सा लिया। आज का फाइनल मैच यावचे और सापा राई गांव के बीच खेला गया।

आयोजन समिति की ओर से बताया गया कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य अपनी जाति के रीति-रिवाजों और परम्परागओं को संरक्षित करना था। उसने कहा कि तीरंदाजी में विभिन्न नई तकनीकों के विकास के कारण इसके विलुप्त होने की सम्भावना को ध्यान में रखते हुए पारम्परिक तरीके से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

सिक्किम ने सड़क ....

की संख्या बढ़ रही है। मणिपुर में 2020 की तुलना में 2021 में 66 दुर्घटनाएं कम हुई हैं।

उल्लेखनीय है कि देश में वाहनों की संख्या के सापेक्ष सड़क दुर्घटनाओं की व्याख्या हेतु घातक दर का उपयोग किया जाता है। इसे प्रति 10,000 वाहनों पर सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों की संख्या से मापा जाता है। राष्ट्रीय औसत दुर्घटना मृत्यु दर पिछले कुछ वर्षों में घट रही है और 2021 में 4.0 पर बनी हुई है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखपरीक्षक का कार्यालय

9, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली- 110002

वर्ष 2023-2024 के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्मों/एल.एल.पी. को सूचीबद्ध करने हेतु

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 139(5) तथा 139(7) के अंतर्गत कंपनियों के तथा सॉविधिक निगमों/स्वायत्त निकायों के उनके संबंधित अधिनियम के प्रावधान के अनुसार लेखापरीक्षकों की नियुक्ति हेतु वर्ष 2023-2024 के लिए भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक कार्योलय में सूचीबद्ध होने हेतु इच्छुक चार्टर्ड एकाउंटटेंट फर्म/एल.एल.पी. से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया जाता है। ऑनलाइन आवेदन पत्र तथा विस्तृत निर्देश हमारी वेबसाइट **www.cag.gov.in** पर 06 जनवरी 2023 से 15 फरवरी 2023 तक उपलब्ध होंगे। फर्म/एल.एल.पी. अपनी 1 जनवरी 2023 की स्थिति दर्शाते हुए आवेदन डाटा भर/अपडेट कर सकते हैं। डाटा भरने/अपडेट करने के पश्चात् उन्हें इस वर्ष के लिए ऑनलाइन पावती पत्र जनरेट करना है। यदि फर्म/एल.एल.पी. ऑनलाइन पावती जनरेट नहीं करते हैं तो सूचीबद्धता के लिए उनका आवेदन नहीं माना जाएगा। फर्म/एल.एल.पी. को ऑनलाइन पावती पत्र की प्रतिलिपि के साथ अपने ऑनलाइन आवेदन पत्र से संबंधित दस्तावेज भी संलग्न कर दिनांक 28 फरवरी 2023 तक इस कार्यालय में जमा करवाने होंगे।

हस्त./-
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
लेखापरीक्षा- पंचम

cbc 51101/11/0009/2223

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR PADMA MORNING
THURSDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:109 DrawDate on:29/12/22
1st Prize ₹1 Crore/- 36E 26430
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 26430 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
08996 11847 14696 20689 37012 42287 43815 49480 57841 84895
3rd Prize ₹450/-
0595 1836 2801 3940 4345 4362 5852 7680 8286 9703
4th Prize ₹250/-
1144 2475 2522 3854 4154 4676 5247 5427 5527 9274
5th Prize ₹120/-
0007 0024 0292 0316 0318 0343 0359 0459 0491 0509
0628 0667 1003 1123 1127 1204 1230 1357 1412 1535
1586 1716 1717 1771 2148 2204 2259 2273 2351 2564
2590 2699 2788 2847 2921 2956 2994 3108 3216 3220
3231 3282 3297 3300 3461 4233 4308 4392 4477 4542
4546 4651 4774 4990 5169 5220 5370 5383 5941 5946
5949 6020 6038 6072 6368 6487 6555 6745 6964 6981
7067 7133 7184 7326 7409 7689 7748 7779 7970 8023
8148 8321 8381 8472 8528 8606 8660 8670 8709 8985
9052 9372 9412 9425 9498 9689 9807 9870 9960 9964
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR VENUS THURSDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:109 DrawDate on:29/12/22
1st Prize ₹1 Crore/- 93H 67419
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 67419 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
12030 12841 12883 25883 33203 33697 55032 67597 82243 90213
3rd Prize ₹450/-
2293 4198 4807 5175 5400 5773 6227 7681 8273 9083
4th Prize ₹250/-
0772 2448 3030 3932 4767 7442 8790 9167 9278 9460
5th Prize ₹120/-
0102 0224 0347 0539 0624 0825 0867 0913 0948 1177
1194 1279 1330 1344 1415 1587 1643 1783 1802 2099
2358 2449 2553 2667 2771 2781 2801 2864 3112 3221
3325 3381 3387 3393 3405 3460 3526 3736 3759 3778
3790 3911 3948 4117 4192 4200 4206 4209 4347 4607
4838 4983 5514 5521 5537 5765 5879 6077 6532 6538
6555 6896 7036 7067 7138 7169 7221 7283 7312 7385
7388 7434 7532 7616 7691 7703 7795 7892 7953 8078
8228 8282 8386 8517 8604 8635 8788 8953 8976 9154
9291 9388 9391 9405 9541 9610 9685 9720 9808 9951
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR FALCON EVENING
THURSDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:209 DrawDate on:29/12/22
1st Prize ₹1 Crore/- 81H 28068
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 28068 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
09051 09906 16863 19322 45116 74886 83956 91092 93599 96023
3rd Prize ₹450/-
0787 1673 1946 2582 3476 4995 5402 5483 5774 9843
4th Prize ₹250/-
0534 2413 3093 3317 3836 6125 6215 7846 8867 9078
5th Prize ₹120/-
0152 0180 0255 0295 0316 0332 0390 0495 0833 0873
0880 1072 1118 1138 1512 1624 1670 1875 1915 1970
1985 2337 2477 2575 2684 2755 2856 2923 3578 3587
3686 3735 3749 3839 3845 3988 4105 4108 4435 4481
4757 4758 4777 4834 4857 4900 4961 4982 5000 5064
5186 5214 5226 5240 5343 5413 5677 5678 5868 6026
6113 6254 6257 6303 6352 6427 6453 6460 6529 6578
6873 6925 7016 7321 7352 7612 7809 7815 7951 7966
8066 8130 8147 8156 8304 8367 8509 8675 8768 8877
9007 9043 9054 9143 9173 9460 9628 9669 9750 9956
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR HOOGHLY MORNING
FRIDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:109 DrawDate on:30/12/22
1st Prize ₹1 Crore/- 55C 84473
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 84473 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
10150 22166 38548 50707 57255 63994 72068 80860 92743 93072
3rd Prize ₹450/-
0626 3140 4206 4758 5850 5898 6398 7484 8129 8829
4th Prize ₹250/-
0056 1271 1434 3541 3679 3747 6477 7086 9146 9599
5th Prize ₹120/-
0203 0226 0280 0307 0339 0518 0564 0636 0778 0921
1059 1082 1141 1168 1261 1269 1497 1615 1695 1819
1838 1919 1979 2008 2097 2162 2195 2254 2291 2461
2480 2576 2599 2600 2725 2813 2814 3142 3219 3247
3374 3561 3775 3910 3973 4225 4359 4562 4653 4896
5033 5087 5304 5399 5547 5856 6004 6100 6108 6194
6383 6523 6573 6618 6989 7041 7106 7318 7414 7490
7505 7601 7666 7708 7792 7867 7960 8079 8469 8676
8686 8756 8870 8919 8979 9076 9117 9181 9216 9222
9455 9492 9510 9652 9658 9705 9748 9828 9857 9904
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR EARTH FRIDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:109 DrawDate on:30/12/22
1st Prize ₹1 Crore/- 92J 42963
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 42963 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
07096 11698 16579 34910 37593 48817 70902 72520 74913 75842
3rd Prize ₹450/-
1810 2033 2456 3727 4171 4636 7202 7498 9542 9574
4th Prize ₹250/-
0357 0589 0701 1107 1468 2035 2466 3009 6200 9395
5th Prize ₹120/-
0061 0304 0592 0710 0786 0809 0816 0870 0938 0940
0977 1017 1023 1062 1126 1305 1383 1551 1666 1884
1886 1925 1991 2241 2271 2433 2436 2582 2639 2702
2976 2988 3154 3293 3344 3420 3529 3532 3797 3810
4075 4144 4153 4532 4670 4753 4805 4950 5001 5034
5296 5305 5474 5640 5694 5707 5796 5899 5997 6068
6280 6303 6432 6441 6633 6647 6653 6659 6690 6761
6795 6804 6825 7007 7199 7404 7504 7809 8037 8053
8073 8152 8276 8340 8369 8455 8457 8693 8737 8780
8876 8896 9332 9445 9447 9581 9682 9721 9748 9917
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR VULTURE EVENING
FRIDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:209 DrawDate on:30/12/22
1st Prize ₹1 Crore/- 75E 12040
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 12040 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
04939 06887 13670 20333 24250 24428 45192 55080 68161 75030
3rd Prize ₹450/-
0546 1540 2953 3141 3829 6098 6625 6823 7473 9539
4th Prize ₹250/-
0501 1323 2061 2958 3352 3438 4975 6929 7055 8497
5th Prize ₹120/-
0009 0125 0249 0258 0266 0899 0959 0987 1189 1275
1283 1325 1470 1496 1503 1536 1580 1859 1975 2163
2238 2345 2657 2713 2868 2877 3011 3016 3092 3093
3310 3312 3537 3744 4105 4134 4160 4214 4227 4236
4786 4854 4863 4982 5252 5272 5292 5309 5353 5403
5446 5756 5766 5768 5944 6212 6221 6298 6310 6315
6327 6403 6407 6472 6517 6632 6767 6827 6866 7060
7112 7114 7132 7238 7264 7288 7404 7481 7505 7530
7625 7940 7946 8028 8105 8187 8206 8284 8619 8983
8989 9123 9229 9376 9462 9668 9677 9749 9772 9780
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

आतंकी मंसूबे

वहां सुरक्षाबलों की चौकसी, सघन तलाशी और सरहद पर कड़ी नजर रखने का ही नतीजा है कि अब दहशतगर्दों का मनोबल काफी कमजोर हुआ है। मगर अब भी वे अपनी साजिशों को अंजाम देने की भरसक कोशिश करते देखे जा रहे हैं। कुछ-कुछ अंतराल पर कोई न कोई वारदात करके वे अपनी मौजूदगी का अहसास कराने की कोशिश करते हैं। उसी कड़ी में जम्मू से श्रीनगर की तरफ जा रहे चार आतंकियों को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में मार गिराया। ये चारों एक ट्रक में छिप कर जा रहे थे। उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और कारतूस बरामद हुए हैं।

हथियारों की प्रकृति को देखते हुए कहा जा रहा है कि उनमें कोई कमांडर स्तर का आतंकी रहा हो सकता है। यह निस्संदेह सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी है कि उन्होंने घाटी में किसी बड़ी साजिश को अंजाम से पहले ही रोक दिया। इसे महज संयोग नहीं माना जा सकता कि जिस दिन गृहमंत्री जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं की समीक्षा बैठक करने वाले थे, उसी दिन तड़के मुठभेड़ की यह घटना हुई। आतंकवादी ऐसे मौकों पर अपनी मौजूदगी जाहिर करने का मौका कभी नहीं चूकते।

छिपी बात नहीं है कि कश्मीर में दहशतगर्दी को पोसने वाला पाकिस्तान है। भारत से लगी सीमा पर उसने आतंकी प्रशिक्षण शिविर खोल रखे हैं, जिसमें तैयार हुए आतंकियों को वह मौका देख कर भारतीय सीमा में प्रवेश कराने की कोशिश करता है। इसके अनेक प्रमाण उपलब्ध हैं, जो विश्व मंचों पर भी साझा किए जा चुके हैं। ताजा मुठभेड़ में मारे गए दहशतगर्द भी पाकिस्तान से भारत में घुसे थे। सड़क मार्ग के जरिए पाकिस्तान से तिजारत बंद है, इसलिए मालवाहकों में छिपा कर उधर से हथियार और दूसरे साजो-सामान भेजना मुश्किल हो गया है। इसके लिए अब सीमा से सटे क्षेत्रों में ड्रोन का सहारा लिया जाने लगा है। मगर पाकिस्तान की तरफ से की गई ऐसी अनेक कोशिशें नाकाम की जा चुकी हैं। फिर लगातार अत्याधुनिक संचार सुविधाओं से निगरानी रखी जाने की वजह से सीमा पार कर भारत में घुसना कठिन होता गया है। ऐसे में आतंकी कुछ ऐसे रास्ते चुनने लगे हैं, जिधर से चकमा देकर भारतीय सीमा में घुसा जा सकता है। चिंता की बात है कि तमाम उपायों और चौकसी के बावजूद उनके मंसूबों पर पानी फेरना मुश्किल बना हुआ है। घाटी में दहशतगर्दी की जड़ें खत्म नहीं हो पा रहीं।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की समीक्षा बैठक में एक बार फिर दहशतगर्दी को जड़ से उखाड़ फेंकने की वचनबद्धता दोहराई गई। मगर पिछले कुछ महीनों में लक्षित हिंसा और सुरक्षाबलों के काफिले को निशाना बना कर किए गए हमलों को देखते हुए दावा करना मुश्किल है कि कब तक इस समस्या पर काबू पाया जा सकेगा। दरअसल, पाकिस्तानी शह के अलावा चिंता की बात यह भी है कि खुद घाटी में आतंकवादी गतिविधियों को लेकर नकार की भावना नहीं पैदा हुई है। अब भी युवाओं को दहशतगर्दों के साथ जुड़ाव से रोकना कठिन बना हुआ है।

इन गुमराह नौजवानों को किस तरह मुख्यधारा से जोड़ा जाए, इस दिशा में गंभीरता से विचार की जरूरत है। जब तक घाटी के लोगों का मन नहीं बदलेगा, दहशतगर्दों के मंसूबे जिंदा रहेंगे। आतंकवाद के साथ लड़ाई अक्सर नागरिकों के खिलाफ चली जाती है। इस संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए कोई व्यावहारिक रणनीति बनाने की जरूरत है।

वजह मामूली, नतीजा जानलेवा

निरंकार सिंह

मच्छरों के काटने से होने वाली आम बीमारियों में डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, पीला बुखार, जीका वायरस, जापानी बुखार (इंसेफलाटिस), और फाइलेरिया प्रमुख हैं। अमेरिकी मच्छर नियंत्रण संगठन के अनुसार, हर साल मच्छर जनित बीमारियों से दुनिया भर में दस लाख से अधिक लोग मर जाते हैं।

हर साल जाड़े और गर्मियों की शुरुआत में मच्छरों से फैलने वाले रोगों का प्रकोप बढ़ जाता है। इस बार देश के कई राज्यों में मच्छरों की बढ़वार काफी ज्यादा रही। नेशनल सेंटर फार वैक्टर बार्न डिजीज कंट्रोल के विशेषज्ञों के अनुसार पिछले कई सालों के मुकाबले इस बार मच्छरों की अच्छी-खासी संख्या देखी जा रही है। शायद यही वजह है कि दिल्ली और उसके आसपास ही नहीं, देश के बाकी राज्यों में भी इस बार मच्छर जनित बीमारियों, जैसे डेंगू, चिकनगुनिया के अलावा मलेरिया के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। बीते अक्तूबर तक देश में एक लाख दस हजार से ज्यादा डेंगू के मामले आ चुके थे। करीब इतने ही चिकनगुनिया के संदिग्ध मामले भी पाए गए। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, पंजाब सहित कई राज्यों में डेंगू और चिकनगुनिया के रोगियों की अस्पतालों में भीड़ बढ़ी है।

मच्छर जनित रोग न केवल मनुष्यों को प्रभावित करते हैं, बल्कि कुत्तों और घोड़ों में भी कई बीमारियों और परजीवियों को प्रसारित करते हैं। मच्छरों के काटने से होने वाली आम बीमारियों में डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, पीला बुखार, जीका वायरस, जापानी बुखार (इंसेफलाटिस), और फाइलेरिया प्रमुख हैं। अमेरिकी मच्छर नियंत्रण संगठन के अनुसार, हर साल मच्छर जनित बीमारियों से दुनिया भर में दस लाख से अधिक लोग मर जाते हैं। डेंगू बुखार एक विषाणु संक्रामक रोग है, जो एडीज मच्छर के काटने से होता है। यह कभी-कभी मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द का कारण बनता है। डेंगू बुखार के लक्षण उम्र पर निर्भर करते हैं और आमतौर पर किसी व्यक्ति को संक्रमित मच्छर द्वारा डंक मारे जाने के बाद चार से सात दिनों के भीतर बुखार के साथ शुरू होता है।

डेंगू के सबसे आम लक्षण हैं- मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, गंभीर सिरदर्द, लाल चकत्ते जो छाती, पीठ या पेट पर शुरू होते हैं और अंगों और चेहरे तक फैलते हैं। आंखों के पीछे दर्द, मतली और उल्टी-दस्त। डाक्टर इसके रोगी को पर्याप्त आराम करने और तरल पदार्थों के सेवन की सलाह और लक्षणों के आधार पर कुछ दर्द निवारक दवाएं देते हैं। कभी-कभी यह रोग रक्तस्रावी बुखार का कारण बन सकता है, जिसमें छोटी रक्त वाहिकाओं का रिसाव होता और पेट तथा फेफड़ों में तरल पदार्थ भर जाता है। ऐसे मामलों में, तुरंत चिकित्सा के साथ मरीज के देखभाल की आवश्यकता होती है। चिकनगुनिया शब्द का अर्थ है मुड़ कर चलना। बुखार और जोड़ों का दर्द चिकनगुनिया के महत्त्वपूर्ण लक्षण हैं।

चिकनगुनिया विषाणु मुख्य रूप से एक संक्रमित मादा एडीज इजिप्टी के काटने से फैलता है। कुछ दुर्लभ मामलों में, चिकनगुनिया विषाणु संक्रमित व्यक्ति के रक्त के संपर्क में आने से फैल सकता है। इस बीमारी का निश्चित रूप से केवल एक रक्त परीक्षण द्वारा निदान किया जा सकता है और इसके लिए कोई टीका उपलब्ध नहीं है। इसके प्रभाव से जोड़ों का दर्द (दो साल तक) रह सकता है। अन्य गैर-विशिष्ट वायरल लक्षण जैसे सिरदर्द, भूख न लगना आदि हैं। चिकनगुनिया का कोई इलाज नहीं है, लेकिन ज्यादातर लोग इस स्थिति से ठीक हो जाते हैं।

पीला बुखार केवल अमेरिका और अफ्रीका के उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में होता है। इसमें जंगल और शहरी चक्र दोनों हैं। यह अब दुर्लभ यात्रियों की बीमारी है, इसलिए कई देशों में प्रवेश करने से पहले पीले बुखार का टीकाकरण अनिवार्य है। जबकि यह एशिया में नहीं होता है। पीला बुखार में पीली त्वचा और आंखें पीली हो जाती हैं। तेज बुखार के साथ सिरदर्द, ठंड लगना, उल्टी, पीठ दर्द होता है। गंभीर लक्षणों में उच्च बुखार, पीलिया, खून बहना, झटका, कई अंगों की विफलता शामिल है। पीले बुखार का भी कोई विशिष्ट उपचार नहीं है। उपचार प्रयासों का उद्देश्य लक्षणों के प्रबंधन और जटिलताओं को रोकना है। ओरल रिहाइड्रेशन थेरेपी ऐसा ही एक तरीका है।

जीका वायरस संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। यही मच्छर चिकनगुनिया के साथ-साथ डेंगू भी फैलाते हैं। जीका वायरस मुख्य रूप से दुनिया के उष्ण कटिबंधीय और उपोष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में होता है। जीका वायरस से संक्रमित अधिकांश लोगों में कोई लक्षण नहीं दिखता। हालांकि, जब लक्षण होते हैं, तो वे आमतौर पर संक्रमित मच्छर द्वारा काटे जाने के दो से सात दिनों के बाद शुरू होते हैं। इसमें हल्का बुखार, खरोंच, जोड़ों या मांसपेशियों में दर्द होता है। अन्य लक्षणों में सिरदर्द और आंखों में लाली भी शामिल हैं। अधिकांश लोग पूरी तरह से ठीक हो जाते हैं और इसके लक्षण लगभग एक सप्ताह में खत्म हो जाते हैं। हालांकि, गर्भवती महिलाओं में यह अधिक गंभीर होता है, क्योंकि इससे बच्चों में छोटे सिर और मस्तिष्क क्षति जैसे जन्म दोष हो सकते हैं। इस बीमारी से बचाव के लिए फिलहाल कोई टीका नहीं है।

एशिया में दिमागी बुखार आमतौर पर ग्रामीण या कृषि क्षेत्रों में होता है, जो अक्सर धान की खेती से जुड़ा होता है। दिमागी बुखार का विषाणु क्यूलेक्स मच्छरों के डंक से मनुष्यों में फैलता है। अधिकांश इंसेफेलाइटिस संक्रमण बुखार और सिरदर्द के साथ शुरू होते हैं, या स्पष्ट लक्षणों के बिना, लगभग ढाई सौ मामलों में से एक, को गंभीर बीमारी होती है। दिमागी बुखार की शुरुआत तेज बुखार, भयानक सिरदर्द, गर्दन में अकड़न से होती है। कुछ गंभीर मामलों में पक्षाघात और मूर्च्छा के लक्षणों वाले लोगों में मृत्यु दर तीस फीसद तक हो सकती है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में इस बीमारी से हर साल हजारों लोगों की मौत हो जाती थी। इसके उपचार में डाक्टर रोगी को आराम, तरल पदार्थ के सेवन की सलाह के साथ एंटीवायरल दवाएं देते और लक्षण पर आधारित चिकित्सा करते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने टीकाकरण अभियान चला कर इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफलता प्राप्त की है।

मलेरिया एक जानलेवा मच्छर जनित रक्त रोग है, जो प्लास्मोडियम नामक परजीवी के कारण होता है, जो संक्रमित एनोफिलीज मच्छर के काटने से मनुष्यों में फैलता है। मानव शरीर में, परजीवी यकृत में और फिर लाल रक्त कोशिकाओं में फैल जाते हैं। इसकी कई दवाएं बन गई हैं। फाइलेरिया को फीलपांव भी कहा जाता है, परजीवी कीड़े के कारण होता है और मच्छरों के काटने से मनुष्यों में फैलता है। यह उष्ण कटिबंधीय और परजीवी रोग लिम्फ नोड्स और वाहिकाओं को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। इस बीमारी के कारण हाथ-पैरों में काफी सूजन आ जाती है। प्रभावित क्षेत्र की त्वचा हाथी जैसी दिखने वाली मोटी और सख्त हो जाती है। यह रोग ज्यादातर उष्ण कटिबंधीय और उपोष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में पाया जाता है।

अधिकांश लोग, जिन्हें यह रोग होता है, उनमें स्पष्ट लक्षण नहीं दिखाई देंगे। परजीवी लसीका प्रणाली को नुकसान पहुंचाता है। व्यक्तियों का एक छोटा फीसद लिम्फेडेमा विकसित कर सकता या पुरुषों में हाइड्रोसील विकसित हो सकता है। यह ज्यादातर पैरों को प्रभावित करता है, लेकिन जननांगों, स्तनों और बाहों में भी हो सकता है। कई व्यक्तियों में संक्रमित होने के वर्षों बाद इन लक्षणों का पता चलता है। एक संक्रमित व्यक्ति के उपचार का मुख्य उद्देश्य वयस्क कृमि को मारना होता है। इसके लिए चिकित्सक डायथाइलकार्बामाजिन साइट्रेट (डीईसी) नामक दवा देते हैं। आइवरमेक्टिन का उपयोग माइक्रोफाइलेरिया के खिलाफ करते हैं, लेकिन वयस्क परजीवी पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। देश में मच्छरों की आबादी इतनी अधिक है कि उनसे लड़ना चुनौतियों से भरा है। जब तक मच्छरों पर नियंत्रण नहीं होगा, तब तक संचारी रोगों पर लगाम मुश्किल है। सरकारों को इसी दिशा में सोचने की जरूरत है।

नेपाल की नई सरकार और भारत

डॉ. एन. के. सोमानी

कम्युनिस्ट पार्टी नेपाल-माओवादी सेंटर (सीपीएन-एमसी) के मुखिया पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड नेपाल के नये प्रधानमंत्री होंगे।

रविवार को तेजी से बदले सियासी घटनाक्रम में उस वक्त नाटकीय मोड़ आ गया जब गठबंधन सरकार में शामिल प्रंचड पाला बदल कर ओली के खेमे में चले गए थे। दोनों नेताओं के बीच सरकार निर्माण के साथ-साथ प्रधानमंत्री पद के लिए प्रचंड के नाम की सहमति बनी। प्रचंड तीसरी बार नेपाल के पीएम बन रहे हैं। पहली बार 2008-09 और दूसरी बार 2016-17 तक नेपाल के पीएम रह चुके हैं।

नेपाल की 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा के लिए नवम्बर में चुनाव हुए थे। चुनाव नतीजों में किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला। मौजूदा प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की नेपाली कांग्रेस को सबसे अधिक 80 सीटें मिलीं। ओली की पार्टी को 78 सीट और प्रचंड की पार्टी को महज 30 सीटें मिली हैं। इसके बावजूद वे नेपाली कांग्रेस के साथ गठबंधन में पहले ढाई साल के लिए पीएम बनना चाहते थे। दूसरी ओर, नेपाली कांगेस सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सरकार का नेतृत्व करने पर अड़ी हुई थी। उधर, राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी द्वारा प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के लिए निर्धारित समय सीमा रविवार को शाम पांच बजे समाप्त हो रही थी। देउबा के साथ बातचीत विफल होने के बाद प्रचंड प्रधानमंत्री पद के समर्थन के लिए कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनाइटेड मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली के निजी आवाज पर पहुंचे जहां दोनों नेताओं के बीच सरकार निर्माण के फार्मूले पर सहमति हुई।

सहमति की शर्त के मुताबिक सीपीएन-यूएमएल समेत छह पार्टियों के समर्थन से प्रचंड पहले ढाई साल के लिए नेपाल की कमान संभालेंगे और अगले ढाई साल के लिए सीपीएन-यूएमएल के नेता केपी शर्मा ओली नेपाल के पीएम होंगे। प्रचंड के ओली के गठबंधन में शामिल होने के बाद नेपाल की तीनों प्रमुख कम्युनिस्ट पार्टियों के नेता प्रचंड, ओली और माधव कुमार नेपाल एक खेमे में आ गए हैं। प्रचंड और ओली, दोनों भारत विरोधी माने जाते हैं। ऐसे में सवाल है कि आने वाले दिनों में भारत-नेपाल संबंध किस दिशा में आगे बढ़ेंगे। यह सवाल इसलिए वाजिब लग रहा है क्योंकि अपने प्रचार अभियान के दौरान ओली कह चुके हैं कि अगर वे सत्ता में आते हैं, तो भारत के क्षेत्र कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को वापस लेकर आएंगे। ये क्षेत्र सदियों से भारत के पास हैं। अब प्रचंड के साथ ओली सत्ता में हैं, तो निश्चित ही चुनावी वादा पूरा करने के लिए भारत के साथ तनाव को हवा देंगे। दूसरा, ओली की चीन परस्ती पहले से ही जग जाहिर है। हालांकि, नेपाली कांग्रेस के साथ काम करते हुए प्रचंड के भारत विरोध रुख में बदलाव आया है। फिर भी सवाल तो परेशान करता ही है कि अगर प्रचंड का चीन प्रेम जाग उठा तो भारत, नेपाल के रास्ते आने वाली रणनीतिक चुनौतियों से कैसे निबट सकेगा।

नवम्बर, 2019 में जब नेपाल में ओली की सरकार थी, उस वक्त कालापानी इलाके पर नेपाल ने दो टूक कह दिया था कि भारत को इस क्षेत्र से अपनी सेना हटा लेनी चाहिए। उस वक्त भी सवाल उठा था कि ओली की आक्रामक भाषा के पीछे कहीं चीनी मनसूबे तो काम नहीं कर रहे। हालांकि, 2014 में नरेन्द्र मोदी की नेपाल यात्रा के दौरान तत्कालीन नेपाली प्रधानमंत्री कोइराला ने कालापानी का मुद्दा उठाया था और कालापानी पर नेपाल का अधिकार बताते हुए इसे हल करने की अपील की थी। 1996 में कालापानी इलाके के संयुक्त विकास के लिए महाकाली संधि के तुरंत बाद नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टियों ने कालापानी पर दावा करना शुरू कर दिया। उधर, चीन लंबे समय से इस इलाके पर कब्जा करने की कोशिश करता रहा है। चीन की शह पर ही नेपाल में जब-तब कालापानी को लेकर प्रदर्शन होते रहे हैं। यह वही जगह है जहां भारत 1962 के युद्ध में चीन के समक्ष मजबूती से डटा हुआ था। भारत को डर है कि अगर कालापानी नेपाल के अधिकार क्षेत्र में चला गया तो चीन वहां अपने पांव जमा लेगा। भारत की घेराबंदी में जुटे चीन की भी यही मंशा है।

चीन की महत्त्वाकांक्षी परियोजना वन बेल्ट वन रोड में सहयोगी होने और व्यापारिक हितों के कारण नेपाल का झुकाव भारत से कहीं अधिक चीन की ओर है। नवम्बर, 2019 में पीएम मोदी ने काठमांडू में हुए बिम्सटेक देशों के सामने सैन्य अभ्यास का प्रस्ताव रखा तो ऐन वक्त पर चीन के दबाव में नेपाल ने सैन्य अभ्यास में शामिल होने से इंकार कर दिया जबकि बाद में उसने चीन के साथ सैन्य अभ्यास में भाग लिया था। भारत और नेपाल के बीच भारतीय सेना की गोरखा बटालियन में गोरखा सैनिकों की भर्ती के मुद्दे पर भी तनातनी की स्थिति बनी हुई है। नेपाल नाराज है कि भारत सरकार ने सेना में भर्ती की अग्निपथ योजना को लेकर उससे चर्चा तक नहीं की। नेपाली विदेश मंत्री नारायण खड्के नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव से मिलकर इस योजना के तहत नेपाली युवकों की भर्ती की योजना को स्थगित करने की मांग कर चुके हैं।

नेपाल का आरोप है कि अग्निपथ योजना नवम्बर, 1947 में भारत-ब्रिटेन एवं नेपाल के बीच हुए त्रिपक्षीय समझौते का उल्लंघन है। हालांकि, भारत ने नेपाल को आश्वस्त किया है कि अग्निपथ योजना के सारे फायदे, जो भारतीय युवाओं को मिलेंगे, नेपाल के गोरखाओं को भी हासिल होंगे। थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे की नेपाल की पांच दिवसीय यात्रा के दौरान इस मुद्दे को सुलझाने की कोशिश की गई थी लेकिन ऐसा नहीं हो सका। अब भारत ने भी दो टूक कह दिया है कि अगर नेपाली गोरखा अग्निवीर बनने के लिए नहीं आते हैं, तो उनकी खाली जगह को भारत में रह रहे गोरखाओं से भरा जाएगा। अभी 30 हजार से अधिक गोरखा भारतीय सेना में हैं। नेपाल में अग्निपथ योजना के तहत 1300 सैनिकों की भर्ती की जानी है।

हालांकि, भारत और नेपाल, दोनों समान संस्कृति और मूल्यों वाले पड़ोसी हैं। इसके बावजूद दोनों देशों के संबंध निर्धारित दायरे से बाहर नहीं निकल पाए हैं, तो इसकी बड़ी वजह कहीं न कहीं नेपाल का चीन प्रेम ही है। ओली के समर्थन से बन रही नेपाल की नई सरकार भारत के साथ रिश्तों को किस तरह आगे बढ़ाती है, यह अगले कुछ दिनों में स्पष्ट हो जाएगा।

एयरपोर्ट्स पर बिगड़ते हालात कैसे ठीक हों?

चेतन भगत

साल 2015 में एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल ने 25 से 40 मिलियन यात्री प्रतिवर्ष की श्रेणी में दिल्ली एयरपोर्ट को दुनिया का सबसे अच्छा हवाई अड्डा घोषित किया था। स्कायट्रैक्स द्वारा भी इसे कई बार मध्य-दक्षिण एशिया और भारत के सबसे अच्छे हवाई अड्डे के रूप में पुरस्कृत किया जा चुका है। लेकिन हाल ही में दिल्ली हवाई अड्डे का नाम देश के सबसे अराजकतापूर्ण हवाई अड्डे के रूप में सुर्खियों में आया।

सोशल मीडिया पर तस्वीरों की भीड़ लग गई, जिनमें हवाई अड्डे के चप्पे-चप्पे पर अव्यवस्था दिखाई दे रही थी। लेकिन इस बात की जरूर दाद देनी चाहिए कि इस पर तुरंत कार्रवाई की गई। नागरिक उड्डयन मंत्री ने हवाई अड्डे का निरीक्षण किया। एक संसदीय समिति ने स्थिति का जायजा लिया। उसके बाद से वहां शिकायतें नहीं पाई गई हैं। लेकिन संरचनागत, प्रक्रियागत और मनोगत बाधाएं-समस्याएं आज भी कायम हैं, जिसके चलते यह हवाई अड्डा फिर से अराजकता की स्थिति में खुद को पा सकता है।

बात केवल दिल्ली एयरपोर्ट की नहीं है। अगर देश के सबसे अच्छे हवाई अड्डे की यह स्थिति है तो कल्पना कीजिए दूसरों की क्या हालत होगी। कह सकते हैं कि भारत में होने वाली दूसरी चीजों की तरह किसी हवाई जहाज में उड़ान भरना भी तनावपूर्ण अनुभव है। हम भारतीयों ने जैसे यह स्वीकार ही कर लिया है कि हमें कभी भी स्मूद और बाधाओं से मुक्त जीवन बिताने का अवसर नहीं मिलेगा। जीवन है तो उसमें संघर्ष और चुनौतियां होंगी ही।

यही कारण है कि हम अरबों रुपए खर्च करके हवाई अड्डे बनाते हैं, उनका उपयोग करने वाले यात्रियों से मोटी रकम वसूलते हैं और इसके बावजूद उन्हें प्लेन में अपनी सीट तक पहुंचने भर के लिए इतनी मुश्किलें उठानी पड़ती हैं। बात केवल भारतवासियों की नहीं है। जब विदेशी मेहमान भारत आते हैं तो उन्हें देश की पहली झलक हवाई अड्डों से ही मिलती है। यह तो खैर पहले ही दुनिया में चर्चित है कि भारत एक अराजकतापूर्ण देश है, लेकिन क्या लैंडिंग होते ही इसका प्रदर्शन करना जरूरी है? दुनिया के एलीट्स हमारे एयरपोर्ट से होकर गुजरते हैं और उन्हीं के आधार पर हमको जज करते हैं। यही कारण है कि इन्हें दुरुस्त करना हमारी प्राथमिकताओं में होना चाहिए। इसके लिए मैं छह सुझाव देना चाहूंगा :

माइंडसेट बदलें : सबसे पहले तो हमें इस माइंडसेट से मुक्त होने की जरूरत है कि हम भारतीय अभावों में जीने के लिए ही बने हैं और अगर कोई चीज बदहाल है तो हमें उसे सुधारने की कोशिश करने के बजाय उसे जस का तस स्वीकार लेना चाहिए। हमने भले ही विकसित देशों जैसी फेसिलिटीज बना ली हों, लेकिन हमारा दिमाग आज भी तीसरी दुनिया के देशों जैसा है। इसलिए सबसे पहले तो इस बात में यकीन करना शुरू करें कि सबसे अच्छी चीजों पर हमारा हक है।

दक्षता बढ़ाएं : हम टर्मिनल बिल्डिंग पर अरबों खर्च करते हैं। लेकिन हम उसका एक हजारवां हिस्सा भी लेटेस्ट एक्स-रे मशीन लेने के लिए खर्च नहीं करेंगे, ताकि हमें बैग से लैपटॉप बाहर नहीं निकालना पड़े। हम बॉडी स्कैनर्स भी ले सकते हैं, जो हमारे शरीर को मिनी-मसाज की तरह टटोले जाने से हमें मुक्ति दिलाए और काम में गति लाए।

चेक-इन कियोस्क पर टचस्क्रीन्स, बार कोड स्कैनर्स जैसे दूसरे उपकरण भी निम्न-गुणवत्ता के होते हैं, जिनकी स्क्रीन्स रिस्पॉन्सिव नहीं होतीं। बाजार में मौजूद अच्छे से अच्छे उपकरण लें और हर तीन साल में उन्हें अपग्रेड करें।

एंट्री चेक : मुझे यह तो समझ आता है कि हम हवाई अड्डे में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति की जांच क्यों करते हैं। क्योंकि भारतीय परिवारों की यह आदत है कि वे किसी व्यक्ति को छोड़ने आते हैं तो भीड़ लगा देते हैं। लेकिन इससे काम में बाधा आती है। इसकी जरूरत नहीं है। बहुतेरे वैश्विक हवाई अड्डों पर ऐसा नहीं होता।

हमें चेक-इन एरिया में आने वाले पैसेंजर्स को चेक करने की जरूरत नहीं है। इसके बजाय फ्लाइट लिए बिना चेक-इन टर्मिनल से जाने वालों को जांचें। रैंडम सैम्पलिंग भी की जा सकती है। बेटिकट लोगों पर जुर्माना लगाया जा सकता है। इससे हर एंट्री पॉइंट्स पर लगने वाली भारी भीड़ से छुटकारा मिलेगा।

हैंड बैगेज के लिए सिक्योरिटी चेक : हमें ऐसी बेहतर मशीनों की जरूरत है, जिनके लिए सिक्योरिटी चेक के समय लैपटॉप और इलेक्ट्रॉनिक्स को बैग से निकालने की जरूरत न पड़े। इससे खासा समय बचेगा। बॉडी स्कैनर्स से हमें हाथ से टटोलने वालों से मुक्ति मिलेगी। इन अपग्रेड्स की लागत बहुत ज्यादा नहीं है।

अधिक एरोब्रिजेस : अनेक फ्लाइट्स को आज भी एरोब्रिज नहीं मिल पाते। क्यों? अगर आज यह हालत है तो दस साल बाद क्या होगा? क्या हम तब भी लोगों को बसों में टर्मिनल तक ले जाएंगे, जैसा कि 1980 के दशक में होता था?

हवाई अड्डे से एग्जिट : कुछ भारतीय हवाई अड्डों के साथ समस्या यह है कि वहां से निकलने पर टैक्सी या राइडशेयर कैब मिलने में मुश्किल आती है। कई जगह तो ऐसी हैं, जहां से कार पिकअप पॉइंट तक बहुत दूर पैदल चलकर जाना पड़ता है। वहां टैक्सियों और कैब्स का जमघट रहता है, जिससे ट्रैफिक जैम की स्थिति निर्मित होती है। यह इसलिए है क्योंकि हम हवाई अड्डों से स्मूद-एग्जिट की योजना नहीं बनाते। एक बेहतरीन हवाई अड्डे का क्या मतलब, अगर उससे बाहर निकलना टेढ़ी खीर साबित हो?

हमें एक बेहतरीन हवाई अड्डे की अपनी परिभाषा को बदलना होगा। आर्टवर्क व स्कल्पचर्स लगाना ही काफी नहीं है। जरूरी है एंट्री से बोर्डिंग तक या प्लेन से उतरने से एग्जिट तक लगने वाले समय को कम करना। साथ ही बाधाओं को समाप्त करना। एक बेहतरीन हवाई अड्डा वह होता है, जहां यात्रियों को अच्छा लगता है। अगर हमें दुनिया में अग्रणी बनना है तो अपने एयरपोर्ट्स को दुरुस्त करना होगा।

कैंसर से जूझ रहीं रोजलिन खान

सुनने पड़े भद्दे ताने तो छलका दर्द- धर्म से मत जोड़ो
सविता भाभी में नजर आई मॉडल-एक्ट्रेस रोजलिन खान ने हाल ही बताया कि जब उन्होंने अपने कैंसर के बारे में सोशल मीडिया पर लिखा था तो लोगों ने किस कदर भद्दे ताने मारे थे और कहा था कि यह तुम्हारे पिछले जन्म का पाप है। रोजलिन खान का हाल ही दिए इंटरव्यू में दर्द छलक पड़ा।

सविता भाभी और जी लेने दो एक पल जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं मॉडल रोजलिन खान इस समय बहुत ही मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। रोजलिन खान ने खुलासा किया कि वह ओलिगोमेटास्टेटिक कैंसर से जूझ रही हैं, जिसका फिलहाल इलाज चल रहा है। कैंसर के कारण उन्होंने अपने सारे बाल भी गंवा दिए हैं। रोजलिन एक तरफ कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी की चपेट में हैं और दूसरी ओर इस वजह से कुछ लोग उन्हें घटिया ताने मार रहे हैं। इसे लेकर रोजलिन खान का हाल ही एक इंटरव्यू में दर्द छलका। रोजलिन खान ने बताया कि कैंसर का खुलासा करने के बाद से उन्होंने लोगों के कितने घटिया ताने सुने। अपनी कैंसर की बीमारी को लेकर बात की और बताया कि इस समय वह कैंसर की चौथी स्टेज में हैं। उनका कैंसर रीढ़ की हड्डी तक फैल चुका है। रोजलिन खान ने बताया कि जब उन्होंने कैंसर के बारे में सोशल मीडिया पर बताया तो लोगों का कैसा रिएक्शन था।

-कैंसर पर छलका रोजलिन खान का दर्द

रोजलिन खान ने कहा, मैं इस बारे में बताना चाहती थी कि मुझे कैंसर हुआ है। इसलिए मैंने इस बारे में सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया था। इंडिया में कैंसर को लेकर काफी स्टिग्मा है। लोग इसे कलंक मानते हैं। तीसरे कीमो थैरपी सेशन में मेरे सारे बाल चले गए। लेकिन लोगों का रिएक्शन बहुत अलग था।

-लोगों की घटिया बातें- तुम्हारे पिछले जन्म का पाप है

रोजलिन खान ने आगे बताया कि जब उन्होंने कैंसर के बारे में सोशल मीडिया पर लिखा तो लोगों ने उन्हें बहुत ही घटिया और भद्दी बातें बोलनी शुरू कर दीं। लोगों ने लिखा, कैंसर तुम्हारे कर्मों का फल है। ये तुम्हारे पिछले जन्म का पाप है। मैंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर इसी तरह के घटिया कमेंट देखे। लेकिन हमें इस बीमारी के प्रति लोगों को जागरुक करना होगा। उन्हें समझाना होगा कि इसे धर्म से या फिर रूढ़िवादी सोच से न जोड़ें। हम लोग कोविड 19 की तो बात करते हैं, लेकिन कैंसर की बात नहीं करते। लोग अभी भी यह मानते हैं कि कैंसर एक इंसान से दूसरे इंसान में फैलती है। अगर हम एक महिला की पहचान और उसकी कद्र उसके लंबे बालों से करते हैं तो फिर हम किस तरह के समाज में रह रहे हैं? हम एक महिला के शरीर या उसके बालों को ज्यादा तवज्जो देते हैं। कोई भी नहीं चाहता कि उसे कैंसर हो।

-रोजलिन खान बोलीं- कैंसर को धर्म से मत जोड़ो

रोजलिन खान ने बताया कि शुरुआत में जब उन्हें कैंसर होने के बारे में पता चला था तो वह बुरी तरह टूट गई थीं। रोजलिन के मुताबिक, डॉक्टर ने उनसे सीधे बोल दिया था कि मेरे सारे बाल खो जाएंगे। मैं रोने लगी। लेकिन मुझे यह सब झेलना पड़ेगा। कोई रास्ता नहीं बचा है। मुझे नहीं पता था कि मैं इस बीमारी से बाहर आ भी पाऊंगी या नहीं। इंडिया में हमारे पास काफी ट्रीटमेंट हैं और कैंसर कोई डेथ वारंट नहीं है। लेकिन आपको समय पर होशियार होकर चेक करने की जरूरत है। मैंने देरी कर दी क्योंकि मैं मुझे अपनी बॉडी पर भरोसा था।

-कीमो के बाद से लिक्विड डाइट पर रोजलिन

रोजलिन खान की अभी कीमोथैरपी चल रही है। उन्होंने बताया कि कीमो के हर राउंड के बाद वह 6-7 दिनों तक बिस्तर से उठ नहीं पाती हैं। कीमो के बाद से रोजलिन खान सिर्फ लिक्विड डाइट पर ही हैं।

स्टेज पर सबके सामने शाहरुख खान से बोले रणवीर सिंह आपकी ही पैदाइश हूं...

ऐसे में शाहरुख का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिस में अपने बिंदास अंदाज से रणवीर सिंह की बोलती बंद करते नजर आ रहे हैं।
अभिनेता शाहरुख खान इन दिनों फिल्म पठान को लेकर

और उनके फैन्स इस बात से काफी एक्साइटिड हैं। शाहरुख खान अपनी दमदार एक्टिंग और दिलखुश मिजाज के साथ ही साथ अपनी हाजिरजवाबी के लिए भी जाने जाते हैं। ऐसे में शाहरुख का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिस में अपने बिंदास अंदाज से रणवीर सिंह की बोलती बंद करते नजर आ रहे हैं। ये वीडियो रणवीर और शाहरुख का स्ट्रॉन्ग बॉन्ड भी दिखाता है।

-क्या है वीडियो

दरअसल ये वीडियो 61वें फिल्मफेयर अवॉर्ड का है। इस

हैं और शाहरुख खान से गले मिलते हैं। इसके बाद रणवीर किसी बात पर कहते हैं, देखा सर, ये होता है दिलवाला। ब्रेकिंग माय हार्ट। आप ही की पैदाइश हूं। इस पर तपाक से शाहरुख कहते हैं- पब्लिकली मत बता सबको। ये जवाब सुनकर रणवीर के साथ ही साथ बाकी ऑडियंस भी हंस पड़ती है।

-शाहरुख खान के प्रोजेक्ट्स

बता दें कि शाहरुख खान के लिए साल 2023 काफी अहम है। जीरो के बाद शाहरुख खान, बतौर लीड एक्टर किसी भी फिल्म में नजर नहीं आए हैं। वहीं 2023 में उनकी तीन फिल्में रिलीज होंगी। पठान, जवान और डंकी से फैन्स के साथ ही साथ ट्रेड एनालिस्ट्स को भी काफी उम्मीदे हैं। दैनिक भास्कर की एक रिपोर्ट के मुताबिक पठान का बजट 250 करोड़ रुपये, जवान का बजट 200 करोड़ रुपये और डंकी का बजट 100 करोड़ रुपये है। वहीं फिल्मों की रिलीज डेट की बात करें तो, 25 जनवरी 2023 को पठान, 2 जून 2023 को जवान और 22 दिसंबर 2023 को डंकी रिलीज होगी। गौरतलब है कि पठान को सिद्धार्थ आनंद, जवान को एटली और डंकी को राजकुमार हीरानी निर्देशित करेंगे।

-रणवीर को भारी पड़ा साल 2022

रणवीर सिंह का नाम उन चुनिंदा एक्टर्स में शुमार है, जिन्होंने बैक टू बैक हिट फिल्में दी हैं और खूब वाहवाही लूटी है। बाजीराव मस्तानी से लेकर गली ब्वॉय और पद्मावत से लेकर सिम्बा तक में रणवीर ने अपनी बेहतरीन अदाकारी का जलवा बिखेरा है। लेकिन साल 2022 रणवीर के लिए कुछ खास साबित नहीं हुआ है। इस साल जहां रणवीर की जयेशभाई जोरदार और सर्कस फ्लॉप साबित हुई तो वहीं इससे पहले 83 भी कुछ खास परफॉर्म नहीं कर पाई थी। बात रणवीर की अपकमिंग फिल्मों की करें तो उनके खाते में बैजू बावरा, तख्त, सिंबा 2, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी और अन्नियन की रीमेक शुमार है।

करीना-सैफ अपने बच्चों के साथ गस्ताद में नए साल का करेंगे आगाज

स्विट्जरलैंड में छुट्टी कौन नहीं मनाना चाहेगा? बी-टाउन कपल सैफ और करीना कपूर खान का स्विट्जरलैंड के लिए प्यार, खासकर रिसॉर्ट शहर गस्ताद, जगजाहिर है। महामारी के कारण, युगल वहां जाने में असमर्थ था। करीना ने एक फायर प्लेस की तस्वीर पोस्ट की जिसका शीर्षक था आपके लिए तीन साल इंतजार किया। इससे पता चलता है कि वह सैफ और अपने बच्चों के साथ गस्ताद में नए साल के लिए वापस आने के लिए कितनी उत्साहित हैं। गस्ताद का रिसोर्ट टाउन, अपने शीर्ष होटलों, स्वादिष्ट व्यंजनों से भरपूर रेस्तरां, लक्जरी शैले के कारण भारतीय रॉयल्टी और बॉलीवुड के अभिजात वर्ग को समान रूप से आकर्षित करता है! करीना ने अपने स्कीइंग सेशन से पहले ताजी बर्फ से ढकी सही ढलानों पर अपने ग्लैमरस स्की आउटफिट दिखाए। बाद में उन्हें प्रसिद्ध पनीर फोंड्यू जैसे शानदार स्विस व्यंजनों का स्वाद चखते हुए पकड़ा गया! नवाब और उनकी बेगम निश्चित रूप से जानते हैं कि अपने रिश्ते में स्विस रोमांस का तड़का कैसे लगाया जाए।

बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा बिरारी ने फिल्मों की कामयाबी के लिए मांगी दुआ

विश्व प्रशिद्ध महान सूफी संत हजरत ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा बिरारी ने अपने परिवार के साथ मखमली चादर व अकीदत के फूल पेश किए। उन्हें दरगाह शरीफ के ख़ादिम बॉलीवुड दुआगो सैयद कुतबुद्दीन सखी ने जियारत कराई व ओढ़नी ओढ़ाकर दरगाह शरीफ का तबर्रुक दिया। ज़ियारत के बाद बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा बिरारी ने जन्नती दरवाजे पर मन्नत का धागा बाँधा। आने वाली फिल्मों व धारावाहिक के लिए मांगी दुआ। आपको बता दें कि 2021 में स्टार प्रवाह में एक नए धारावाहिक स्वाभिमान शोध अस्तित्व में पल्लवी का किरदार निभाती नजर आई थीं। पूजा बिरारी ने बहुत ही कम समय में दर्शकों के दिल में अपने अभिनय की एक अलग छाप छोड़ी है, जिसे टीवी के दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।

कैमरून ने अवतार द वे ऑफ वॉटर को लेकर किया खुलासा

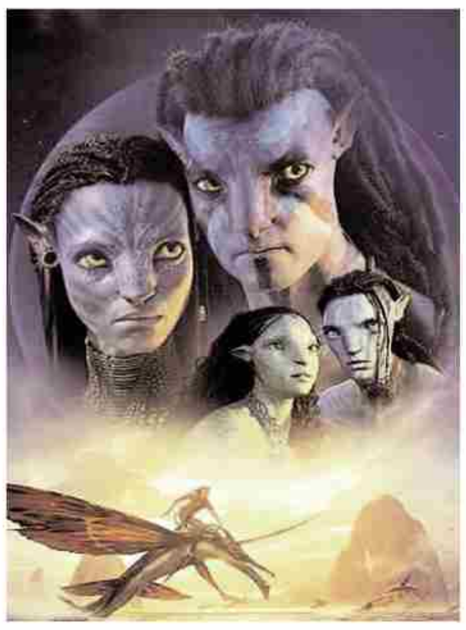

लॉस एंजिलिस. बहुचर्चित फिल्म अवतार-द वे ऑफ वॉटर को लेकर जेम्स कैमरुन ने अपनी बात साझा करते हुए इसकी लंबाई के बारे में कई खुलासा किया है। इसके साथ ही फिल्ममेकर ने बताया कि क्यूं उन्होंने इस फिल्म से कुछ दश्यों को हटा दिया। वैराइटी के अनुसार, तीन घंटे के रनटाइम के बावजूद फिल्म दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस चार्ट में टॉप पर है। अब कैमरुन ने खुलासा किया है कि, फिल्म 10 मिनट ज्यादा चलती अगर उन्होंने बंदूक से हिंसा वाले दृश्यों को नहीं काटा होता। फिल्म निर्माता ने एस्क्वायर मिडिल ईस्ट को बताया कि अमेरिका में बड़े पैमाने पर बंदूक हिंसा को देखते हुए उन्हें अब अपने एक्शन दृश्यों में बंदूकों को आकर्षित करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। इसीलिए उन्होंने फिल्म से 10 मिनट के उन द्श्यों को काट दिया। वैरायटी के अनुसार, कैमरून ने कहा कि वह अपनी बनाई हुई कुछ फिल्मों को पीछे मुड़कर देखते हैं और उन्हें नहीं पता कि वह अब उस फिल्म को बनाना चाहते हैं या नहीं क्योंकि अब उन बंदूक वाले द्श्यों से मेरा मन भर गया। कैमरन की टिप्पणियों को देखते हुए, यह मान लेना सुरक्षित है कि द टर्मिनेटर फ्रैंचाइजी में एक्शन सीन कुछ अलग दिखेंगे।

गांधी गोडसे एक युद्ध के जरिए बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं तनीषा संतोषी

राजकुमार संतोषी की फिल्म

गांधी गोडसे एक युद्ध के जरिए तनीषा संतोषी अपनी एक नई शुरुआत करने जा रही हैं। राजकुमार संतोषी ऐसी फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं, जो दर्शकों पर अपनी अमिट छाप छोडती हैं। गांधी गोडसे एक युद्ध के मेकर्स ने फिल्म का मोशन पोस्टर रिवील कर दिया है। फिल्म के इस पोस्टर ने फैंस की दिलचस्पी को और ज्यादा बढ़ा दिया है। गांधी गोडसे एक युद्ध फिल्म के जरिए तनीषा अपने करियर की एक नई शुरुआत करने के लिए तैयार है। निर्माताओं ने आज इस फिल्म में तनीषा के किरदार का पहला लुक शेयर किया है। फैंस उनको इस नए किरदार में काफी पसंद कर रहे हैं। यह फिल्म अगले साल 26 जनवरी 2023 को गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज होगी। यह फिल्म संतोषी प्रोडक्शंस एलएलपी एक पीवीआर पिक्चर्स रिलीज़ द्वारा प्रस्तुत की गई है। गांधी गोडसे एक युद्ध को राजकुमार संतोषी ने निर्देशित किया है, वहीं एआर रहमान ने फिल्म को संगीत दिया है। 26 जनवरी 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

मलाइका ने 3 बार एक मां के रूप में अपना प्रोटेक्टिव और सेंसिटिव साइड किया शोकेस

एक ग्लैमरस डीवा, फैशनिस्टा और एक्ट्रेस के अवाला मलाइका अरोड़ा असल लाइफ में एक खूबसूरत मां भी है, जो स्पॉटलाइट के बंद होते ही मां के अपने रोल में लौट जाती हैं। लेकिन मलाइका का ऐसा कोई भी साइड नही है जो उनके ऑडियंस से छुपा हो। ऐसे में मूविंग इन विद मलाइका में दिखाए गए ऐसे 3 मोमेंट पर आइए नजर डालते है जब उन्हें एक प्यारी मां के रूप में देखा गया। बनिजय एशिया और मलाइका अरोड़ा द्वारा क्रिएटेड यह सीरीज अब (सोमवार - गुरुवार) स्ट्रीम हो रही है। पेरेंट होने एक फुल टाइम जॉब है और जो आपको ब्रेक लेने तक की आजादी नही देता है। ऐसे में मलाइका भले ही दुनिया के सामने खुद को स्ट्रांग्ली शोकेस करती हो और एक कूल मॉम की तरह बिहेव करती हैं लेकिन उनके मदरली इंस्टिंक्ट को ज्यादा लंबे समय तक छिपाया नहीं जा सकता। शो पर उन्होंने इस बात को माना भी कि जब उनके बेटे अरहान कॉल नहीं उठाते हैं तो इसको लेकर वो काफी परेशान हो जाती हैं। जैसे-जैसे एपिसोड आगे बढ़ता है, मलाइका इस बात पर जोर देती हैं कि उनकी मां उनकी बहन के लिए कितनी सुरक्षात्मक हैं। उन्हें इस दुनिया में प्रवेश करने से पहले उनकी भलाई और सुरक्षा के बारे में लगातार चिंता करते हुए देखा जाता है। ऐसे में लड़कों ने मलाइका के साथ एक मज़ाक किया जहां उन्होंने रिहान को ट्रक के पीछे छुपाने का फैसला किया। इस बात से मलाइका वास्तव में घबरा गई जबकि यह सिर्फ एक प्रैंक था। मांओं के लिए, उनके बच्चों का प्यार और वैलिडेशन उन्हें बहुत खुश कर देता है। उनका एक छोटा सा हग अक्सर सिचुएशन्स को बदल देता है और उनके सबसे बुरे दिन को भी एक खूबसूरत दिन में बदल सकता है।

कोरोना के बीच इस घातक बीमारी ने दी दस्तक ईटिंग अमीबा से फैलती

सोल । दुनिया के कई देश जहां फिर से कोरोना से जूझ रहे हैं वहीं दक्षिण कोरिया में एक नई बीमारी ने दस्तक दी है। यह नई बीमारी गंभीर चिंता का कारण बन गई है। दरअसल इस बीमारी में अमीबा दिमाग में घुसकर इसको खा जाता है। एक व्यक्ति की प्राइमरी अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस बीमारी की वजह से मौत हुई है जो नेग्लरिया फाउलेरी नामक ब्रेन-ईटिंग अमीबा की वजह से फैलती है। इस अमीबा का वैज्ञानिक नाम नेग्लरिया फाउलेरी है। इससे पूरे साउथ कोरिया में लोगों के बीच डर फैल गया है। हालांकि यह नई बीमारी नहीं है 50 के दशक में पहला शख्स इसका शिकार हुआ था। वहीं हाल ही में दक्षिण कोरिया के जिस शख्स की मौत हुई है वो कई महीने थाईलैंड रहकर देश में लौटा था। 10 दिसंबर में उसकी मौत हुई। यह बीमारी ब्रेन ईटिंग अमीबा की वजह से होती है जो मिट्टी के अलावा झीलों नदियों और झरनों जैसे गर्म मीठे पानी के स्रोतों में पाया जाता है। यह पानी के जरिए व्यक्ति के शरीर में प्रवेश कर सकता है।

आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में तीन पाकिस्तानी सैनिक मारे गए

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में कम से कम तीन पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। सेना के एक बयान में यह जानकारी दी गई। पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, प्रांत के कुर्रम जिले में पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें दो आतंकवादी भी मारे गए। इन सैनिकों की पहचान सूबेदार शुजा मुहम्मद (43), खुजदार नाइक मुहम्मद रमजान (32) और सुक्कुर सिपाही अब्दुल रहमान (30) के रूप में हुई है। बयान में कहा गया है कि दोनों तरफ से मुठभेड़ तब हुई जब सैनिकों ने अफगान सीमा के पास एक पूर्व आतंकवादी गढ़ में एक ठिकाने पर छापा मारा। बयान में कहा गया कि क्षेत्र से आतंकवादियों को खत्म करने के लिए छापेमारी की गई। बयान के अनुसार, ''पाकिस्तानी सेना आतंकवाद के खतरे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है और हमारे बहादुर सैनिकों के ऐसे बलिदान हमारे संकल्प को और मजबूत करते हैं।'' यह घटना देश भर में आतंकवादी हमलों में वृद्धि के बीच हुई है, जिनमें ज्यादातर घटनाओं में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने अपना हाथ होने का दावा किया था। पिछले हफ्ते, एक पाकिस्तानी तालिबान लड़ाके ने इस्लामाबाद में एक कार बम विस्फोट किया था और वह कुर्रम से था। हमले का दावा अलकायदा के करीबी माने जाने वाले टीटीपी ने किया था, जो अफगान तालिबान द्वारा काबुल पर कब्जा करने के बाद फिर से सक्रिय हो गया है।

बुफालो में बर्फीले तूफान में लापता लोगों की तलाश तेज

बुफालो। अमेरिका में बर्फीले तूफान से तबाह हुए बुफालो में बृहस्पतिवार को सड़कें यातायात के लिए खोल दी गईं। हालांकि, अधिकारी लगातार उन लोगों की तलाश में जुटे हैं, जो पिछले सप्ताह आए बर्फीले तूफान के बाद से लापता हैं। न्यूयॉर्क के दूसरे सबसे अधिक आबादी वाले शहर के महापौर बायरन ब्राउन ने घोषणा की कि बृहस्पतिवार मध्य रात्रि के बाद से वाहन चलाने पर लगा प्रतिबंध हटा लिया गया। पश्चिम न्यूयॉर्क में कम से कम 40 लोगों की मौत हुई है और इनमें से अधिकतर बुफालो से हैं। ब्राउन ने बुधवार देर रात को संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''बर्फ हटाने के काम में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उपनगरीय सड़कें, प्रमुख राजमार्ग और बुफालो नियागरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहले ही खोले जा चुके हैं।'' हालांकि, ब्राउन ने निवासियों से अभी भी बिना किसी जरूरी काम के सड़क पर वाहन लेकर निकलने से बचने का अनुरोध किया है। नेशनल गार्ड बुफालो में घर-घर जाकर लोगों की जरूरतों का पता लगा रहे हैं, जहां तूफान के कारण घरों में बिजली आपूर्ति ठप पड़ गई है। मौसम खुलने के साथ बर्फ के पिघलने पर पीड़ितों के मिलने की संभावना को देखते हुए अधिकारी उनकी तलाश में जुटे हैं। बुफालो पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारी भी पीड़ितों की तलाश में जुटे हैं। एरी काउंटी के कार्यकारी मार्क पोलोनकार्ज ने बृहस्पतिवार को तूफान के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि कुछ पीड़ितों की अब भी पहचान नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा, ''समुदाय में ऐसे परिवार हैं, जो अब तक अपने लापता प्रियजनों की तलाश कर रहे हैं।

दक्षिण चीन सागर के ऊपर अमेरिकी विमान के सामने आया चीनी विमान, दुर्घटना टली : अमेरिका

बीजिंग। अमेरिकी सेना ने कहा है कि चीनी नौसेना के लड़ाकू विमान ने इस महीने दक्षिण चीन सागर पर अमेरिकी वायुसेना के एक टोही विमान के पास खतरनाक तरीके से उड़ान भरी थी, लेकिन अमेरिकी पायलट ने अपनी कुशलता से दोनों विमान को भिड़ने से बचा लिया। अमेरिकी सेना की हिंद-प्रशांत कमान ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा घटना 21 दिसंबर को हुई थी, जब चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) का जे-11 विमान अमेरिकी वायुसेना द्वारा संचालित विशाल टोही विमान आरसी-135 के सामने छह मीटर की दूरी से गुजर गया। बयान में कहा गया है कि अमेरिकी विमान 'कानून के अनुसार अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में दक्षिण चीन सागर पर नियमित अभियान पर था।' इसके मुताबिक, अमेरिकी विमान के पायलट ने अपनी कुशलता के जरिये दोनों विमान को भिड़ने से बचा लिया। चीन दक्षिण चीन सागर को अपना क्षेत्र बताता है और उसमें उड़ान भरने वाले अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के विमानों का पीछा भी करता है। हिंद-प्रशांत कमान ने अपने बयान में कहा, 'अमेरिकी हिंद-प्रशांत संयुक्त बल एक मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर प्रतिबद्ध है। वह अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत सभी जहाजों और विमानों की सुरक्षा के लिए उचित सम्मान के साथ अंतरराष्ट्रीय समुद्री और हवाई क्षेत्र में उड़ान भरना एवं जहाज भेजना जारी रखेगा।

कोसोवो ने सर्बिया से लगती अपनी सीमा फिर खोली

कोसोवो ने सर्बिया जाने की मुख्य सीमा चौकी को बृहस्पतिवार को फिर से खोल दिया। वहीं, सर्बिया के राष्ट्रपति एलेक्सेंदर वुसिक ने कहा कि उत्तरी कोसोवो में प्रवेश करने वाले एक दर्जन से अधिक रास्तों पर लगे अवरोधकों को भी हटाये जाएंगे। एलेक्सेंदर ने कहा कि सर्बियाई लोगों ने बृहस्पतिवार को अवरोधकों को हटाने का कार्य शुरू कर दिया। इससे कोसोवो और सर्बिया के बीच हफ्तों से चल रहे तनाव के कम होने की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे बालकन देशों में नए सिरे से संघर्ष का खतरा पैदा हो गया था। कोसोवो ने मांग की थी कि नाटो नीत शांतिरक्षक अवरोधकों को हटाएं या ऐसा नहीं होने पर उसके सैनिक यह काम करेंगे। सर्बिया ने भी कोसोवा की सीमा पर अपने सैनिकों को युद्ध के लिए तैयार अवस्था में तैनात किया था और कोसोवो में रहने वाले सर्बियाई लोगों पर हमले रोकने की मांग की थी। वुसिक ने कहा कि सीमा पर से अवरोधक हटाने का समझौता देर रात दोनों देशों के नेताओं की हुई में बैठक में हुआ। गौरतलब है वर्ष 1998-99 में कोसोवे के अल्बानियाई नीत अलगाववादी विद्रोहियों ने युद्ध छेड़ा था और उस समय सर्बियाई लोगों के खिलाफ नृशंस कार्रवाई थी। उस दौरान सर्बिया उसका एक प्रांत था। वर्ष 1999 में नाटो के हस्तक्षेप से रक्तपात रूका और सर्बिया, कोसोवो से अलग हुआ।

कंबोडिया के होटल में लगी भीषण आग, कम से कम 19 लोगों की मौत

नामपेन्ह। कंबोडिया के एक कसीनो होटल में 12 घंटे से अधिक समय से लगी भीषण आग में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गयी है और 60 से अधिक लोग घायल हुए हैं। अभी कई पीड़ितों का पता नहीं चल पाया है। पड़ोसी देश थाईलैंड ने सीमावर्ती क्षेत्र में आग बुझाने के लिए कई दमकल वाहनों को भेजा है। बंटये मीनचे प्रांत के सूचना विभाग के प्रमुख सेक सोकहोम ने बताया कि ऐसी आशंका है कि कई लोग मलबे के नीचे दबे हो सकते हैं या बंद कमरों में फंसे हो सकते हैं जहां तक बचाव दल अभी नहीं पहुंच पाए हैं। इसे देखते हुए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। उन्होंने बताया कि 60 से अधिक लोग घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि मृतकों और घायलों में थाईलैंड, चीन, मलेशिया, वियतनाम और कंबोडिया समेत कई देशों के नागरिक शामिल हैं।

रमल्लाह में फतह मूवमेंट की 58 वीं बरसी पर एक रैली में भाग लेते हुए लोग।

इजरायल के पीएम के रूप में बेंजामिन नेतन्याहू ने छठी बार ली पद और गोपनीयता की शपथ

यरूशलम । बेंजामिन नेतन्याहू ने छठी बार इजराइल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। इजराइल में सबसे अधिक समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले 73 वर्षीय नेतन्याहू ने अपनी सरकार का गठन कर लिया है जिसमें कई धुर दक्षिणपंथी घटक दल शामिल हैं। नेतन्याहू को इजराइली संसद 'नेसेट' के 120 सदस्यों में से 63 का समर्थन प्राप्त है जो सभी दक्षिणपंथी हैं। सदन में नेतन्याहू के खिलाफ 54 सांसदों ने मतदान किया। उनको समर्थन करने वालों में उनकी लिकुद पार्टी के अलावा यूनाइटेड तोरा जुदैज्म दक्षिणपंथी ओत्ज्मा येहुदित रिलिजियस जियोनिस्ट पार्टी और नोआम शामिल हैं। अनेक लोगों ने आशंका जताई है कि नेतन्याहू के नेतृत्व में बने इस समीकरण से देश की आबादी के बड़े हिस्से की सरकार के साथ असहमति हो सकती है। इजराइल की 37वीं सरकार के विश्वासमत प्राप्त करने से महज कुछ समय पहले नेसेट ने लिकुद पार्टी के सांसद अमीर ओहाना को नया अध्यक्ष (स्पीकर) चुना। पिछली सरकारों में न्यायमंत्री और जन सुरक्षा मंत्री रह चुके ओहाना नेसेट के पहले घोषित समलैंगिक स्पीकर हैं। नयी सरकार के शपथ-ग्रहण से पहले नेसेट में अपने संबोधन में नेतन्याहू ने कहा कि उनकी सरकार के तीन 'राष्ट्रीय लक्ष्य' ईरान को परमाणु आयुधों की ओर बढ़ने से रोकना पूरे देश में बुलेट ट्रेन चलाना और अब्राहम समझौतों के दायरे में और अधिक अरब देशों को लाना हैं। नेतन्याहू के भाषण के दौरान विपक्षी सदस्य बार-बार टोका-टोकी कर रहे थे और उन्हें 'कमजोर' तथा 'नस्लवादी' कह रहे थे। हंगामे के बीच नेतन्याहू ने कहा मतदाताओं के जनादेश का सम्मान कीजिए।

जयशंकर ने साइप्रस में कोणार्क चक्र का दौरा किया दोनों देशों की गहरी मित्रता का प्रतीक बताया

निकोसिया (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर साइप्रस की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के दौरान 'कोणार्क चक्र' देखने गए जो दोनों देशों के बीच गहरी मित्रता का प्रतीक है। जयशंकर 29 से 31 दिसंबर तक साइप्रस की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं।दोनों देश अपने राजनयिक संबंध स्थापित होने की 60वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। विदेश मंत्री जयशंकर बृहस्पतिवार को 'कोणार्क चक्र' देखने गए जिसे भारत ने वर्ष 2017 में साइप्रस को भेंट किया था।

जयशंकर ने ट्वीट किया, '' साइप्रस के विदेश मंत्री लोआनिस कासोउलिडेस और गृह मंत्री नोउरिस निकोस के साथ वहां के विदेश मंत्रालय में स्थापित कोणार्क चक्र देखा।'' उन्होंने कहा, '' वर्ष 2017 में भारत की ओर से भेंट किया गया, यह हमारे देशों के बीच मजबूत मित्रता का प्रतीक है।'' जयशंकर ने साइप्रस के अपने समकक्ष लोआनिस कासोउलिडेस के साथ सार्थक चर्चा करने के बाद एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''भारत साइप्रस मुद्दे के समाधान के तौर पर संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों पर आधारित द्वि-क्षेत्रीय संघ की ओर अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है।''

वहीं, कासोउलिडेस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और अंतरराष्ट्रीय कानून के संबंध में साइप्रस का एक व्यवहार्य तथा व्यापक समझौते पर पहुंचने का समर्थन करने के लिए भारत का आभार जताया था। उन्होंने कहा था, ''जैसा कि हमने भारत के मामले में देखा है, देश का विभाजन एक खतरनाक यात्रा की शुरुआत थी और निश्चित तौर पर अंत नहीं था इसलिए साइप्रस तथा उसके लोगों के लिए दो राज्य के समाधान को स्वीकार नहीं किया जा सकता।'' जयशंकर ने बृहस्पतिवार को साइप्रस की प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष अन्निता डेमेट्रियू से मुलाकात ''संसदीय परम्पराओं पर दिलचस्प बातचीत'' की थी। जयशंकर ने डेमेट्रियू के साथ महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी थी। उन्होंने कहा था, ''शांति तथा सौहार्द का उनका सार्वभौमिक संदेश हम सभी का मार्गदर्शन कर रहा है।

म्यांमा में अदालत ने सू ची को भ्रष्टाचार के मामले में फिर दोषी करार दिया

बैंकॉक (एजेंसी) । सैन्य शासित म्यांमा की एक अदालत ने शुक्रवार को देश की अपदस्थ नेता आंग सान सू ची को उनके खिलाफ आपराधिक मामलों की कड़ी में भ्रष्टाचार के एक और मामले में दोषी ठहराया और सात साल जेल की सजा सुनाई। फरवरी 2021 में सेना द्वारा सू ची की निर्वाचित सरकार को गिराए जाने के बाद से उन पर कई राजनीतिक अभियोग लगाए गए और अब इस सजा के जुड़ने के साथ उन्हें कुल 33 वर्ष जेल में बिताने होंगे। उन्हें कई अन्य अपराधों के लिए भी दोषी ठहराया गया था, जिसमें उन्हें कुल 26 साल की कैद की सजा सुनाई जा चुकी है।

उनके समर्थकों और स्वतंत्र विश्लेषकों का कहना है कि उनके खिलाफ आरोपों उद्देश्य सत्ता को अपने अधिकार में लेने के सैन्य शासन के प्रयास को वैध बनाना और चुनाव से पहले उन्हें राजनीति से दूर रखना है। म्यांमा के सैन्य शासन ने अगले साल चुनाव कराने का वादा किया है। अधिकारियों द्वारा दंडित किए जाने के डर से नाम नहीं छापने के अनुरोध पर राजधानी के बाहरी इलाके में मुख्य जेल में विशेष रूप से बनाए गए अदालत कक्ष में शुक्रवार के फैसले से एक कानूनी अधिकारी ने अवगत कराया। मुकदमे को मीडिया, राजनयिकों और लोगों से दूर रखा गया था और सू ची के वकीलों को इस बारे में बात करने की मनाही थी।

तहरीक-ए-तालिबान और व्रिदोही बलूच संगठनों ने पाकिस्तानी सेना की नाक में दम किया

क्वेटा (एजेंसी)। पाकिस्तान में सुरक्षा बलों पर हो रहे हमलों में पिछले कुछ दिनों में तेजी आ गई है। पाकिस्तानी आर्मी के लिए बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वां में स्थिति को संभाल मुश्किल हो रहा है। यहां पर व्रिदोही बलूच संगठनों के अलावा तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) ने सेना की नाक में दम किया हुआ है। शाहबाज सरकार के खिलाफ प्रदर्शनों में अब सेना और इसके जवानों को भी निशाना बनाया जाने लगा है। पिछले दिनों इसी तरह से बचूलिस्तान में सात ब्लास्ट्स हुए। इन ब्लास्ट्स में पाकिस्तानी आर्मी के छह सैनिकों की मौत हो गई थी। इसमें एक कैप्टन रैंक का ऑफिसर भी शामिल था। कम से कम 17 लोगों की भी जान इन हमलों में चली गई थी। हमले का जो वीडियो सामने आया है वह भी काफी डराने वाला है।

मीडिया के मुताबिक क्वेटा में जो चार ब्लास्ट्स हुए उसमें से एक काहान के कोहलू में हुआ। जबकि चौथा हमला तुरबत में हुआ था। इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशंस का कहना है कि काहन इलाके में एक आईईडी ब्लास्ट हुआ था। यह ब्लास्ट 24 दिसंबर को उस समय हुआ जब इंटेलीजेंस की रिपोर्ट के आधार पर एक क्लीयरेंस ऑपरेशन चलाया जा रहा था। वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि ब्लास्ट के बाद गाड़ी पर सवार जवानों के परखच्चे उड़ जाते हैं। बलूचिस्तान और खैबर में पाकिस्तानी सेना पर लगातार हमले हो रहे हैं। रविवार को अलग-अलग ग्रेनेड ब्लास्ट्स में कम से कम 15 लोग घायल हो गए।

बलूचिस्तान में पिछले कुछ समय से पाकिस्तानी आर्मी को निशाना बनाया जा रहा है। 25 दिसंबर को भी बलूचिस्तान के काहान इलाके में आईईडी ब्लास्ट हुआ था। सेना की मीडिया विंग के मुताबिक सुरक्षा बलों की गाड़ी जब गुजर रही थी तब आईईडी ब्लास्ट हुआ। कैप्टन फहाद लांस नायक इम्तियाज और सिपाही असगर और मेहरान और शमूम की इस ब्लास्ट में मौत हो गई। इसके अलावा आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच बलूचिस्तान के झोब जिले में मुठभेड़ हुई थी।

8 जनवरी से सभी यात्रा प्रतिबंध खत्म करेगा चीन फिर कोरोना विस्फोट की चपेट में आ सकती है दुनिया

बीजिंग (एजेंसी)। दो साल के बाद दुनिया जब कोरोना वायरस महामारी से राहत पाने लगी थी तो चीन के एक फैसले ने कोविड-19 के नए वैरियंट का खतरा बढ़ा दिया है। आठ जनवरी से चीन ने सभी यात्रा प्रतिबंधों को खत्म करने का फैसला कर लिया है। चीन के इस फैसले की वजह से विश्व में फिर से कोरोना विस्फोट हो सकता है।

जीरो कोविड चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सबसे सख्त नीति थी। तीन साल से जारी इस नीति के खिलाफ चीन में बड़े स्तर पर प्रदर्शन हुए। इन प्रदर्शनों के बाद नीति को खत्म कर दिया गया है। अब नए साल पर चीनी नागरिक घूमने और अपने घर लौटने की तैयारी कर चुके हैं। साल 2023 की शुरुआत में करीब तीन अरब ट्रिप्स लेने की तैयारी है।

चीन में कोविड के केसेज तेजी से बढ़ रहे हैं। इस बीच यूके की तरफ से भी चीन से आने वाले पर्यटकों पर नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी हो चुकी है। चीनी अधिकारियों ने रोजाना आने वाले केसेज के आंकड़ों को जारी करना बंद कर दिया है लेकिन माना जा रहा है कि रोज चीन में कोविड की वजह से 5000 लोगों की मौत हो रही है। अस्पतालों में जगह नहीं है और शवदाह गृह के बाहर लाशों का ढेर लगा हुआ है। चीन की अलग-अलग फैक्ट्रियों में काम कर रहे कर्मचारी इस बार नए साल के मौके पर अपने परिवार के पास जाने की तैयारी कर रहे हैं। चीनी नागरिक हर साल प्लेन ट्रेन जहाज और कारों से अपने घर के लिए सफर करते हैं। ये चीन के अलावा दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जाते हैं।

सात जनवरी से चीन से लोग निकलना शुरू करेंगे और इसे दुनिया का सबसे बड़ा मानवीय अप्रवासन बताया जा रहा है। चीन के परिवहन मंत्रालय की तरफ से बताया जा रहा है कि कम से कम 40 दिनों तक यात्रा को लेकर मारामारी जारी रहने की आशंका है। माना जा रहा है कि इसके बाद यात्रा की स्थिति महामारी के पहले वाले स्तर पर लौट सकती है। साल 2020 में 21 जनवरी से एक मार्च तक करीब तीन अरब लोगों ने सफर किया था।

चीनी स्वास्थ्य अधिकारियों की मानें तो कोविड-19 का ओमीक्रॉन वैरियंट अभी तक प्रभावी बना हुआ है। वहीं वैज्ञानिकों को डर है कि जैसे ही चीनी नागरिक घूमने निकलेंगे हो सकता है कि कोविड का नया वैरियंट सामने आ जाए। चीन में काफी समय तक लॉकडाउन लगा था। इसका मतलब था कि बहुत ज्यादा चीनी नागरिक नए वैरियंट से संक्रमित नहीं हुए थे। वहीं इस वायरस से इम्युनिटी भी बहुत कम स्तर पर है। वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी में क्लिनीकल एपिडेमियोलॉजी सेंटर के डायरेक्टर जियाद अल-अली की मानें तो चीनी नए साल पर कोविड केसेज का विस्फोट होने की आशंका है क्योंकि नए म्यूटेशन का खतरा बहुत ज्यादा है। चीनी नागरिक जापान थाईलैंड दक्षिण कोरिया अमेरिका ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया इन छुट्टियों पर जाने की तैयारियां कर रहे हैं।

यूक्रेन में जारी जंग के बीच बड़े पैमाने पर रूसी युद्ध अपराधों के प्रमाण मिले

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन में दस महीने से जारी युद्ध के बीच इस बात के पर्याप्त प्रमाण मिले हैं कि रूसी सैनिकों ने युद्ध भूमि में आचरण और नागरिकों के साथ बर्ताव संबंधी अंतरराष्ट्रीय कानूनों की धज्जियां उड़ाते हुए पूर्ण युद्ध छेड़ रखा है। यूक्रेन अभी रूस के संभावित युद्ध अपराधों के 58 हजार से अधिक मामलों की जांच कर रहा है, जिनमें हत्या, अपहरण, अंधाधुंध बमबारी और यौन हमलों से जुड़े मामले शामिल हैं। 'द एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) और 'फ्रंटलाइन' की रिपोर्ट में स्वतंत्र रूप से 600 से अधिक ऐसे मामलों की पहचान की गई है, जिनमें युद्ध कानूनों का उल्लंघन किए जाने के संकेत मिलते हैं। इनमें से कुछ मामले सैकड़ों नागरिकों का नरसंहार करने वाले हमलों से जुड़े हैं।

द हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय में मुख्य अभियोजक करीम खान ने 'एपी' से कहा, 'यूक्रेन एक अपराध स्थल है।' उनकी यह टिप्पणी एक कड़वा सच है। प्राधिकारियों के पास यूक्रेन में बड़े पैमाने पर रूसी युद्ध अपराधों के प्रमाण हैं। हालांकि, निकट भविष्य में यूक्रेनी नागरिकों पर हमला करने वाले सैनिकों, उन्हें आदेश देने वाले सैन्य अधिकारियों और हमलों को मंजूरी प्रदान करने वाले राजनेताओं को गिरफ्तार करने की कोई संभावना नहीं है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इसके पीछे कई वजहें हैं। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी अधिकारी युद्ध क्षेत्र में पुख्ता सबूत जुटाने में काफी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

यही नहीं, कथित युद्ध अपराधों को अंजाम देने वाले ज्यादातर सैनिक यूक्रेनी अधिकारियों की गिरफ्त से बचने में सफल रहे हैं और अब रूसी सीमा में दाखिल हो चुके हैं। यहां तक कि सफल अभियोगों में भी न्याय सीमित रहा है। मिसाल के तौर पर 21 वर्षीय टैंक कमांडर वादिम शिशमारिन से जुड़ा मामला ले लें, जो युद्ध अपराधों के आरोपों का सामना करने वाला पहला रूसी सैनिक था। उसने इस साल मार्च में आत्मसमर्पण कर दिया था। मई में कीव की एक अदालत उसे 62 वर्षीय एक यूक्रेनी नागरिक को सिर में गोली मारने के जुर्म में दोषी करार दिया।

शिशमारिन को पहले उम्रकैद की सजा सुनाई गई, जिसे अपील के बाद घटाकर 15 साल के कारावास की सजा कर दिया गया। आलोचकों का कहना था कि शिशमारिन को सुनाई गई प्रारंभिक सजा अनुचित रूप से कठोर थी, यह देखते हुए कि उसने अपना अपराध कबूल किया था। उन्होंने तर्क दिया कि शिशमारिन आदेशों का पालन कर रहा था और उसने अपने किए पर पछतावा जाहिर किया था।

खूबसूरत खेल के महानायक पेले का निधन

दुबई (एजेंसी)। उनका हुनर फुटबॉल की किवदंतियों का हिस्सा है और उनके पैरों का जादू जब चलता था तो दुनिया मानों थम जाती थी। कई पीढियों पर अमिट छाप छोड़ने वाले खिलाड़ी बिरले ही होते हैं और फुटबॉल के जादूगर पेले के निधन के साथ मानों एक युग का अंत हो गया। पेले ने बृहस्पतिवार को आखिरी सांस ली। वह पिछले महीने से कई बीमारियों के कारण अस्पताल में भर्ती थे। उनके एजेंट जो फ्रागा ने उनके निधन की पुष्टि की।

फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों में शुमार पेले पहले सांतोस क्लब के लिये और फिर ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के लिये अपने खेल से विश्व फुटबॉल पर अपनी अमिट छाप छोड़ गए। उनकी कलात्मकता, हुनर और पैरों की जादूगरी के विरोधी भी मुरीद थे। उनके खेल में ब्राजील की सांबा शैली झलकती थी। ब्राजील को फुटबॉल की महाशक्ति बनाने वाले पेले के कैरियर की शुरूआत साओ पाउलो की सड़कों पर हुई जहां वह अखबारों के गट्ठर या रद्दी के ढेर का गोला बनाकर फुटबॉल खेला करते थे।

फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों का जिक्र होता है तो पेले के साथ सिर्फ डिएगो माराडोना और अब लियोनेल मेस्सी का नाम लिया जाता है। पेले ने लीग मैचों में करीब 650 और सीनियर मैचों में 1281 गोल किये। 'द किंग' कहे जाने वाले पेले ने सबसे पहले 1958 में स्वीडन में 17 वर्ष की उम्र में विश्व कप में अपना लोहा मनवाया। वह उस टूर्नामेंट के सबसे युवा खिलाड़ी थे। फाइनल में मेजबान के खिलाफ 5 . 2 से मिली जीत में दो गोल करने वाले पेले को उनके साथी खिलाड़ियों ने कंधे पर उठा लिया था।

फिर चार साल बाद चोट के कारण वह दो ही मैच खेल सके लेकिन ब्राजील ने खिताब बरकरार रखा। मेक्सिको में 1970 में हुए विश्व कप में इटली पर मिली जीत में पेले ने फाइनल में एक गोल किया और कार्लोस अलबर्टो के गोल के सूत्रधार रहे। पेले की ख्याति ऐसी थी कि 1967 में नाइजीरिया में गृहयुद्ध के दौरान कुछ समय युद्धविराम कर दिया गया ताकि वह लागोस में नुमाइशी मैच खेल सके। 23 अक्टूबर 1940 में जन्मे पेले ने फुटबॉल किट खरीदने के लिये जूते भी पॉलिश किये।

वह 11 वर्ष की उम्र में सांतोस की युवा टीम का हिस्सा बने और जल्दी ही सीनियर टीम के लिये चुन लिये गए। उन्होंने ब्राजील के लिये 114 मैचों में 95 गोल किये। जब यूरोपीय क्लबों में उन्हें खरीदने के लिये होड़ मची थी तो ब्राजील सरकार को इसे रोकने के लिये दखल देना पड़ा और उन्हें राष्ट्रीय संपदा घोषित किया। ब्राजील की पीली दस नंबर की जर्सी में पेले की छवि फुटबॉल के चाहने वालों की यादों में हमेशा चस्पा रहेगी।

कार हादसे का शिकार हुए ऋषभ पंत, डिवाइडर से टकराई कार, गंभीर रूप से घायल

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर ऋषभ पंत अपने गृहनगर रुड़की, उत्तराखंड के पास एक कार दुर्घटना में घायल हो गए हैं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। यह दुर्घटना शुक्रवार तड़के हुई, जब पंत नई दिल्ली लौट रहे थे। बाद में उन्हें एक स्थानीय अस्पताल में ले जाया गया और बाद में उन्हें नई दिल्ली के एक निजी मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने के बाद पंत वापस अपने घर लौट रहे थें। इसी दौरान उनकी कार नारसन के पास डिवाइडर से टकरा गई।

खबरों के अनुसार, ऋषभ पंत खुद ही गाड़ी ड्राइव कर रहें थें। पंत ने बताया कि गाड़ी चलाने के दौरान उन्हे नींद आ गई थी, जिस कारण उनकी कार डिवाइडर टकरा गई और दुर्घटना हो गई। हादसे के बाद कार जल गई। कार हादसे में पंत के पैर और पीठ में चोट आई है।

25 वर्षीय पंत श्रीलंका के खिलाफ 3 जनवरी से शुरू होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय और घरेलू वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे। उन्हें फरवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले मजबूती और कंडीशनिंग के लिए बेंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में जाना था। उन्होंने हाल ही में मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 93 रन की मैच विनिंग पारी खेली, जिससे भारत को 2-0 से सीरीज जीतने में मदद मिली।

मावी को श्रीलंका के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा तेज गेदबाज शिवम मावी को श्रीलंका के खिलाफ आगामी सीरीज में बेहतर प्रदर्शन का भरोसा है। मावी के अनुसार अगर कप्तान हार्दिक पांड्या श्रीलंका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में उन्हें अवसर दें तो वह अपने को साबित करेंगे। आईपीएल की छोटी नीलामी में गुजरात टाइटंस ने मावी को छह करोड़ रुपए में खरीदा। वहीं उन्हें श्रीलंका के खिलाफ तीन जनवरी से शुरू हो रही तीन टी20 मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

मावी ने कहा कि वह हार्दिक को निराश नहीं करेंगे। मावी ने कहा 'हार्दिक पांड्या प्रत्येक खिलाड़ी का समर्थन करता है। वह शानदार कप्तान है। पहले ही प्रयास में आईपीएल चैंपियन बनना बहुत मुश्किल है पर उसने ऐसा कर दिखाया। उसने आगे बढ़कर गुजरात टाइटंस की अगुआई की और टीम को चैंपियन बनाया। उन्होंने कहा 'कप्तान के रूप में हार्दिक बेहद चतुर और शानदार रणनीतिकार हैं। उसे पता है कि किससे कब गेंदबाजी करानी है और किसे बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजना है। मुझे पता है कि यह मेरे लिए आसान नहीं होने वाला पर मुझे उम्मीद है कि मुझे मैच खेलने को मिलेगा मैं उसमें प्रदर्शन करूंगा और भारत के लिए नियमित रूप से खेलूंगा।

गौरतलब है कि आईपीएल 2022 में कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले मावी के लिए राष्ट्रीय टीम का सफर आसान नहीं रहा। नाइट राइडर्स ने मावी को सात करोड़ 25 लाख रुपए में खरीदा लेकिन वह छह मैच में 10.31 के इकोनोमी रेट से पांच विकेट ही ले पाए। मावी ने इसके बाद नेट पर कड़ा अभ्यास किया और उन्होंने उत्तर प्रदेश की ओर से सीमित ओवरों की घरेलू प्रतियोगिताओं में प्रभावित किया। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट में 10 विकेट लेक के बाद विजय हजारे ट्रॉफी में 14 विकेट हासिल किए। इससे उन्हे राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है।

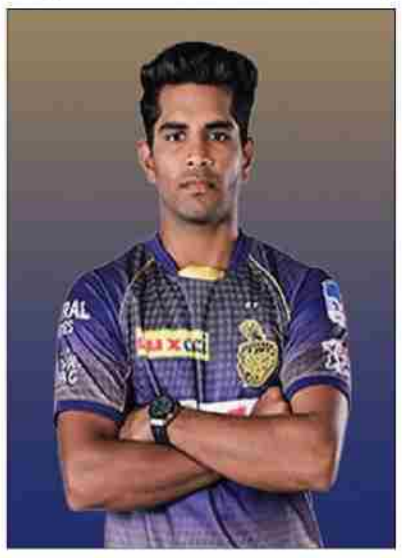

संगकारा ने कहा कि बदलाव अपरिहार्य है लेकिन हार्दिक में सफल होने की क्षमता है

मुम्बई (एजेंसी)। श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय टीम में बदलाव के दौर से निपटना हमेशा मुश्किल होता है लेकिन भारत के पास पर्याप्त प्रतिभा है और हार्दिक पंड्या के रूप में अच्छा नेतृत्वकर्ता है जिससे कि टी20 क्रिकेट में इस दौर से निपटा जा सके। भारत नए साल में श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों के छह मैच खेलेगा। इस दौरान तीन जनवरी से शुरू हो रहे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए रोहित शर्मा की जगह पंड्या को कप्तान बनाया गया है। टीम में लोकेश राहुल और विराट कोहली भी नहीं हैं जो इस बात का संकेत है कि भारतीय क्रिकेट इस श्रृंखला से बदलाव के दौर से गुजरेगा। संगकारा ने श्रीलंका के भारत दौरे के आधिकारिक प्रसारक 'स्टार स्पोर्ट्स' द्वारा आयोजित बातचीत के दौरान पीटीआई से कहा, ''बदलाव का दौर अपरिहार्य है। आपको इसके लिए हमेशा तैयार रहना होगा। लेकिन इसके प्रभावी होने के लिए जरूरी है कि घरेलू क्रिकेट से खिलाड़ी आते रहें।'' उन्होंने कहा, ''प्रत्येक टीम बदलाव के मुश्किल दौर से गुजरती है और हमने ऑस्ट्रेलिया में भी ऐसा देखा है। कुछ समय पहले न्यूजीलैंड के साथ लंबे समय तक ऐसा देखने को मिला, यहां तक कि इंग्लैंड में भी। ये सभी बदलाव के दौर से गुजरीं और मुश्किल समय का सामना करना इन सभी टीम में समान चीज थी।'' श्रीलंका के दिग्गज संगकारा का मानना है कि युवा चेहरों को अधिक मौके देना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''आपको उन खिलाड़ियों पर भरोसा करना होगा जिन्हें आप चुनते हैं, उन पर लंबे समय तक भरोसा करना होग। उन्हें जरूरी अनुभव और मौके देने होंगे जिससे कि वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से सामंजस्य बैठा सकेंऔर समझ सकें कि यह सब क्या है।'' श्रीलंका के लिए संगकारा और महेला जयवर्धने जैसे दिग्गजों के संन्यास लेने के बाद बदलाव का दौर काफी कड़ा रहा है। संगकारा ने कहा, ''भारत में बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी सामने आ रहे हैं इसलिए यह उनमें से सर्वश्रेष्ठ का चयन करने और उन्हें अधिक मौके देने से जुड़ा है।''

इंडिया ओपन : एक ही क्वार्टर में किदांबी श्रीकांत, लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय

नई दिल्ली (एजेंसी)। किदांबी श्रीकांत, लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय जैसे भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ियों को यहां 17 से 22 जनवरी तक होने वाले योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के एक ही क्वार्टर में कड़ा ड्रॉ मिला है। इस बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर स्पर्धा को इस साल सुपर 'सुपर 750% श्रेणी में अपग्रेड किया गया है।

पूर्व विश्व चैंपियन और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू अपने अभियान का आगाज सुपनिदा कटेथोंग के खिलाफ करेंगी। थाईलैंड की इस खिलाड़ी ने पिछले साल सेमीफाइनल में सिंधू को शिकस्त दी थी। मौजूदा चैम्पियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पुरुष युगल में अपने अभियान की शुरुआत डेनमार्क की जेपे बे एवं लेसे मोल्हेडे की शीर्ष रैंकिंग वाली जोड़ी के खिलाफ करेंगे।

सबसे मुश्किल स्थित पुरुष वर्ग में भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ियों के लिए है। श्रीकांत, सेन और प्रणय एक ही क्वार्टर में है। इसका मतलब यह हुआ की इनमें से कोई एक ही क्वार्टर फाइनल की बाधा को पार कर पाएगा। इसी क्वार्टर में मौजूदा विश्व और ओलंपिक चैंपियन विक्टर एक्सेलसेन, चीन के शि यू क्यूई और जापान के केंटो मोमोटा जैसे मजबूत खिलाड़ी भी है।

गत चैम्पियन सेन हमवतन प्रणय के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे और मैच के विजेता के सामने मोमोटा की मुश्किल चुनौती होगी। पिछले साल संघर्ष करने के बाद वह 2023 में वापसी करना चाहेगें। पूर्व चैम्पियन श्रीकांत को पहले दौर में ही शीर्ष वरीयता प्राप्त एक्सेलसेन से भिड़ना होगा। महिलाओं में पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधू अगस्त में राष्ट्रमंडल खेल के बाद से एड़ी की चोट के कारण खेल से दूर है।

वापसी कर रही यह खिलाड़ी अगर शुरुआती दौर की बाधा पार करने में सफल रही तो क्वार्टर फाइनल में चेन यूफेई की चुनौती से निपटना होगा। विश्व रैंकिंग की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी साइना नेहवाल अपने अभियान का आगाज डेनमार्क की मिया ब्लिचफिल्ड्ट के खिलाफ करेंगी। मालविका बंसोड और आकर्षि कश्यप पहली बार सुपर 750 स्तर के टूर्नामेंट में चुनौती पेश करेंगी।

विश्व रैंकिंग में 30वें स्थान पर काबिज मालविका के सामने थाइलैंड की अनुभवी बुसानन ओंगबामरुंगफान, जबकि आकर्षि के सामने इंडिया ओपन चैंपियन और विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर काबिज अमेरिका की बेइवेन झांग की चुनौती होगी। पुरुष युगल में विश्व रैंकिंग में 21वें पायदान पर काबिज एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की सामने छठी वरीयता प्राप्त किम अस्ट्रूप और एंडर्स रासमुसेन की डेनमार्क की जोड़ी होगी तो वहीं कृष्णा प्रसाद गर्ग और विष्णुवर्द्धन गौड़ नीदरलैंड के रुबेन जिल्ले और टाइस वन देर लेक के खिलाफ कोर्ट में उतरेंगे।

महिला युगल में 'ऑल इंग्लैंड% की सेमीफाइन खेलने वाली त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंदी की जोड़ी के सामने फ्रांस की मार्गोट लैम्बर्ट और ऐनी ट्रान की जोडी होगी। अश्विनी भट और शिखा गौतम की आठवीं वरीयता प्राप्त मलेशिया की पियरली टैन और थिनाह मुरलीधरन के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी। ईशान भटनागर और तनीषा कास्त्रो की मिश्रित युगल का सामना नीदरलैंड के रॉबिन तबेलिंग और सेलेना पीक की जोड़ी से होगा।

एशिया कप को पाकिस्तान से शिफ्ट करने को लेकर फिर खीसियाए रमीज राजा, दे दिया ये बयान

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष रमीज राजा ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड पर फिर से भड़क गया है। एशिया कप 2023 के वेन्यू को पाकिस्तान से शिफ्ट करने के मामले पर रमीज राजा ने फिर से छेड़ा है। पाकिस्तान को एशिया कप 2023 की मेजबानी करनी है। एशिया कप को लेकर बीसीसीआई ने साफ किया है कि वो पाकिस्तान में एशिया कप के लिए हिस्सा लेने के लिए नहीं जाएगा। जय शाह ने बयान जारी कर कहा था कि भारतीय टीम पाकिस्तान में जाकर एशिया कप में हिस्सा नहीं लेगी। भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी। एशिया कप की मेजबानी को लेकर अब बहस फिर से छिड़ गई है। ये पहला मौका नहीं है जब पाकिस्तान जाने से किसी टीम ने इंकार किया है। पहले के समय में भी कई टीमें पाकिस्तान जाने से इंकार कर चुकी है। इस मामले में रमीज राजा ने कहा कि पीसीबी का चेयरमैन रहते हुए न्यूजीलैंड और इंग्लैंड की सीरीज का आयोजन पाकिस्तान में 2021 के दौरान सफलतापूर्क किया गया है। इंग्लैंड ने पाकिस्तान के साथ इस दौरान सात टी20 मुकाबले खेले थे। वहीं इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के स्टाफ ने लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम का दौरा कर कहा था कि वो पाकिस्तान में दौरा करने के लिए तैयार है। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने पाकिस्तान से इस टूर्नामेंट को होस्ट करने की मांग की है। वहीं पाकिस्तान से भारत मांग कर रहा है कि टूर्नामेंट को न्यूट्रल वेन्यू पर शिफ्ट किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्या हम सब सर्वेंट की तरह रहेंगे भारत के, क्योंकि वो एक वर्ल्ड पॉवर हैं। क्या हम हर चीज उनकी मानते जाएंगे? बता दें कि हाल ही में नजम सेठ को रमीज राजा ने हाल ही में रिप्लेस किया है। बता दें कि रमीज राजा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष सितंबर 2021 से दिसंबर 2022 तक रहे है।

रणजी ट्रॉफी : दूसरी पारी में नहीं चला सूर्यकुमार का बल्ला, जडेजा ने सौराष्ट्र को दिलाई यादगार जीत

मुबंई (एजेंसी)। धर्मेंद्रसिंह जडेजा के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत सौराष्ट्र ने सितारों से सजी 41 बार की रणजी चैंपियन मुबंई का विजय रथ रोकते हुए शुक्रवार को 48 रन की यादगार जीत हासिल की। बांद्रा कुर्ला कांप्लेक्स मैदान पर रणजी ट्राफी के ग्रुप बी मुकाबले में सौराष्ट्र ने टास जीत कर पहले खेलते हुये अपनी पहली पारी में 289 रन बनाए जिसके जवाब में मुबंई की टीम पहली पारी में 230 रन पर सिमट गई।

सौराष्ट्र ने 59 रन की लीड लेने के बाद दूसरी पारी में 220 रन बनाये और मुबंई को जीत के लिए 280 रन का विजय लक्ष्य दिया मगर मुबंई का फ्लाप शो दूसरी पारी में भी जारी रहा और पूरी टीम 231 रन बना कर पवेलियन लौट गई। मुबंई की अब तक खेले गए तीन मैचों में पहली हार थी जबकि पहले दो मैच ड्रा खेलने वाली सौराष्ट्र की यह पहली जीत थी। इस मैच के बाद मुबंई के तीन मैचों में 13 अंक है और वह अभी भी अंकतालिका में पहले स्थान पर है, वहीं सौराष्ट्र 12 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है।

प्लेयर आफ द मैच चुने गये धर्मेंद्रसिंह जडेजा ने पहली पारी में 24 रन बनाने के बाद मुबंई की पहली पारी में चार बेशकीमती विकेट चटकाए। दूसरी पारी में जडेजा ने 90 रन बना कर पहले बल्ले से कमाल दिखाया और फिर मुबंई की दूसरी पारी में भी दो विकेट लुढ़का दिए।

जडेजा के अलावा प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण करने वाले युवराज सिंह डोडिया ने मुबंई की पहली और दूसरी पारी में चार-चार विकेट चटका कर अपनी उपयोगिता को सार्थक किया। मुबंई की ओर से धाकड़ सूर्यकुमार यादव ने अपने चिरपरिचित अंदाज में पहली पारी में 95 और दूसरी पारी में 38 रन बनाए। इसके अलावा पहली पारी में सरफराज खान के 75 रन और दूसरी पारी में पृथ्वी शा के 68 रन भी मुबंई के लिए आकर्षण का केन्द्र बने।

रणजी ट्रॉफी : नेगी, चंदेला ने हिमाचल के खिलाफ उत्तराखंड को जीत दिलाई

देहरादून (एजेंसी)। तेज गेंदबाज अभय नेगी के चार विकेट और कुणाल चंदेला (नाबाद 59) की अर्धशतकीय पारी के दम पर उत्तराखंड ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए के मैच में शुक्रवार को चौथे और आखिरी दिन यहां हिमाचल प्रदेश को पांच विकेट से शिकस्त दी। हिमाचल ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में चार विकेट पर 327 रन से की लेकिन पूरी पारी 391 रन पर सिमट गई। नेगी ने इस दौरान आकाश वशिष्ठ (111) और कप्तान ऋषि धवन (71) के बीच पांचवें विकेट के लिए 176 रन की साझेदारी को तोड़ा। इस साझेदारी के टूटने के बाद टीम की पारी लड़खड़ा गयी। नेगी ने दिन के छह में चार विकेट झटके। उन्होंने 11 ओवर में 54 रन खर्च किये। उत्तराखंड ने इसके बाद 28.5 ओवर में पांच विकेट पर 105 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस दौरान चंदेला ने 81 गेंद में 10 चौके की मदद से नाबाद 59 रन बनाये। कटक में हरियाणा और ओडिशा का मैच बराबरी पर छूटा तो वही वडोदरा में बड़ौदा ने उत्तर प्रदेश को चार विकेट से हराया। बड़ौदा ने शाश्वत रावत की 68 रन की पारी के दम पर जीत के लिए मिले 189 रन के लक्ष्य को 47.2 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर हासिल किया।

ऑस्ट्रेलियाई टीम फरवरी में भारत आयेगी

मुम्बई । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम अगले साल बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारत दौरे पर आयेगी। इस दौरे में चार टेस्ट और तीन एकदिवसीय मैच खेले जाएंगे। इस दौरे का पहला टेस्ट 9 फरवरी से नागपुर (विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम) में शुरू होगा। इसके बाद अगले तीन टेस्ट मैच दिल्ली (अरुण जेटली स्टेडियम) धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम) और अहमदाबाद (नरेंद्र मोदी स्टेडियम) में खेलेगा। ऑस्ट्रेलिया के इस दौरे में दिल्ली पांच साल के लंबे इंतजार के बाद पहली बार किसी टेस्ट की मेजबानी करेगी। साल 2017 में कोरोना संक्रमण के कारण यहां टेस्ट मैच नहीं हो पाया था। यह पहली बार होगा जब भारत 2020-21 में अपनी प्रसिद्ध 2-1 सीरीज जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया के साथ लाल-गेंद क्रिकेट में खेलेगा। इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया कोविड महामारी के बाद टेस्ट के लिए भारत का दौरा करने वाला चौथा देश बन जाएगा। इससे पहले इंग्लैंड न्यूजीलैंड और श्रीलंका ने भारत दौरा किया था।

अर्जुन तेंदुलकर ने सिक्स पैक एब्स की तस्वीरें साझा कीं

मुम्बई । आजकल क्रिकेट में फिटनेस पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। इसी को देखते हुए अब जूनियर खिलाड़ी भी अपनी फिटनेस को लेकर सजग है। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर भी ऐसे ही खिलाड़ियों में अब शामिल हो गये हैं। अर्जुन काफी शर्मीले स्वभाव के हैं और सोशल मीडिया पर काफी कम नजर आते हैं पर इस बार और उन्होंने अपनी सिक्स पैक एब्स की तस्वीरें साझा कर सबको हैरान कर दिया है। अर्जुन ने अपनी इंस्टास्टोरी में जिम से एक तस्वीर शेयर की है जिसमें वह शर्टलेस हैं और अपने एब्स दिखा रहे हैं। अर्जुन ने इसी महीने रणजी ट्रॉफी में गोवा की ओर से डेब्यू किया था। अर्जुन ने रणजी ट्रॉफी में उतरने से पहले कुछ समय तक युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह से भी ट्रेनिंग ली थी। योगराज सिंह को उनकी कड़ी ट्रेनिंग के लिए जाना जाता है। युवराज भी अपने पिता की कड़ी ट्रेनिंग के बारे में कई बार बता चुके हैं। योगराज ने अर्जुन को ट्रेनिंग देते समय का कहा कि उसे अपने पिता के साये से बाहर निकलने की जरूरत है। वहीं जब मैंने उसे बल्लेबाजी करते देखा तो मुझे लगा कि यह खिलाड़ी विस्फोटक हो सकता है। मैंने से बातें सचिन और युवराज को भी बतायीं और कहा कि उसे गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी पर भी ध्यान देना चाहिये।

दक्षिण अफीका के तीसरे टेस्ट के लिए आस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान, चार साल बाद इस खिलाड़ी की वापसी

सिडनी। मैथ्यू रेनशॉ को 2018 के बाद पहली बार ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में शामिल किया गया है जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार से यहां शुरू हो रहा तीसरा और आखिरी मैच खेलेंगे। रेनशॉ को 14 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। मिशेल स्टार्क और कैमरन ग्रीन के चोटिल होने के कारण वह और एश्टोन एगर टीम में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। रेनशॉ ने आखिरी टेस्ट मार्च 2018 में खेला था जब स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर और कैमरन बेनक्रॉफ्ट को गेंद से छेड़खानी मामले में निलंबित कर दिया गया था। ऑस्ट्रेलियाई टीम - पैट कमिंस (कप्तान), एश्टोन एगर, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कारी, मार्कस हैरिस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, लांस मौरिस, मैथ्यू रेनशॉ, स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर।

जोकोविच मन में कोई बुरी भावना नहीं है

एडिलेड । सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने कहा है कि इस बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस में भाग लेने को लेकर उनके मन में किसी भी नाराजगी या खराब भावना नहीं है। जोकोविच को कोरोना टीकाकरण नहीं होने के कारण पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में भाग लेने से रोक दिया गया था और उन्हें देश से बाहर कर दिया था। इस खिलाड़ी ने कहा कि निर्वासित किए जाने को लेकर उनके मन में कोई बुरी भावना नहीं है और वह उस देश लौटकर अच्छा महसूस कर रहे हैं जहां उन्होंने काफी सफलताएं हासिल की हैं। साथ ही कहा कि मेरा लक्ष्य यहां बेहतर प्रदर्शन कर अच्छी भावना से रहना है। जोकोविच को कोविड-19 का टीकाकरण नहीं कराने के कारण तब ऑस्ट्रेलिया से निर्वासित कर दिया गया था क्योंकि तब ऑस्ट्रेलिया में टीकाकरण को लेकर सख्त नियम थे।

आईसीसी ने जारी कि क्रिकेटर ऑफ द ईयर के लिए नामित खिलाड़ियों के नाम, पुरुष नहीं कर सके जो काम स्मृति मंधाना ने किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी ने अपने वर्ष के सबसे बड़े अवॉर्ड सर गैरी सोबर्स प्लेयर ऑफ द ईयर ट्रॉफी के लिए पुरस्कार के लिए शॉर्टलिस्ट हुए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इस बार इस ट्रॉफी के लिए किसी भारतीय क्रिकेटर का नाम शामिल नहीं किया गया है। आईसीसी ने इंग्लेंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स, न्यूजीलैंड के टेस्ट कप्तान टिम साउदी, जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा और पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को शीर्ष चार खिलाड़ियों में चुना है।

बता दें कि बाबर और सिकंदर वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर ट्रॉफी के लिए भी नामित किए गए है। गौरतलब है कि बाबर आजम के नेतृत्व में पाकिस्तान की टीम ने वर्ष 2022 में काफी शानदार प्रदर्शन किया है। पाकिस्तान की टीम ने टी20 विश्व कप के फाइनल तक में जगह बनाने में सफलता हासिल की थी। हालांकि इंग्लैंड की टीम ने विश्व कप पर कब्जा जमाया था।

वहीं महिलाओं की बात करें तो राचेल हीहो फ्लिंट ट्रॉफी आईसीसी महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर के लिए इंग्लैंड की खिलाड़ी नैट स्कीवर, भारतीय बल्लेबाज स्मृति मंधाना, न्यूजीलैंड की खिलाड़ी अमेलिया केर और ऑस्ट्रेलियन खिलाड़ी बेथ मूनी के नामों का चयन किया है। बता दें कि वर्ष 2021 में आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर रह चुकी मंधाना एक बार फिर पुरस्कार की दौड़ में हैं। सभी प्रारूपों में मिलाकर वह भारत के लिये सर्वाधिक रन बना चुकी है। टी20 में उन्होंने पिछले साल 594 रन और वनडे में 696 रन बनाये। महिला विश्व कप और राष्ट्रमंडल खेलों में भी उनका प्रदर्शन सराहनीय रहा।

इसके अलावा वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरूष टेस्ट क्रिकेटर के लिए इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टॉ, ऑस्ट्रेलिया के उस्मान ख्वाजा, दक्षिणी अफ्रीका के कैगिसो रबाडा, इंग्लैंड के खिलाड़ी बेन स्टोक्स को लिस्ट में शामिल किया गया है। वनडे के लिए पाकिस्तान के बाबर आजम, वेस्टइंडीज के शाइ होप, जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर एडम जाम्पा का नाम शामिल है। वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला वनडे क्रिकेटर के लिए ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर एलिसा हीली, दक्षिण अफ्रीकी शबनम इस्माइल, न्यूजीलैंड की एमेलिया केर, इंग्लैंड की नेट स्किवेर को लिस्ट में शामिल किया गया है। वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला टी20 क्रिकेटर के लिए निदा दार, सोफी डेवाइन, स्मृति मंधाना, ताहलिया मैकग्रा का नाम शामिल है। वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष टी20 क्रिकेटर के लिए सैम

करेन, सिकंदर रजा, मोहम्मद रिजवान, सूर्यकुमार यादव उदीयमान और पुरूष क्रिकेटर के लिए फिन एलेन, मार्को जेनसेन, अर्शदीप सिंह, इब्राहिम जदरान उदीयमान का नाम शामिल है। वहीं महिला क्रिकेटर के लिए यस्तिका भाटिया, डारसी ब्राउन, एलिस केपसे, रेणुका सिंह के नाम का चयन किया गया है।

आजाद ने कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों पर लगाया विराम, कहा- ये हतोत्साहित करने का प्रयास

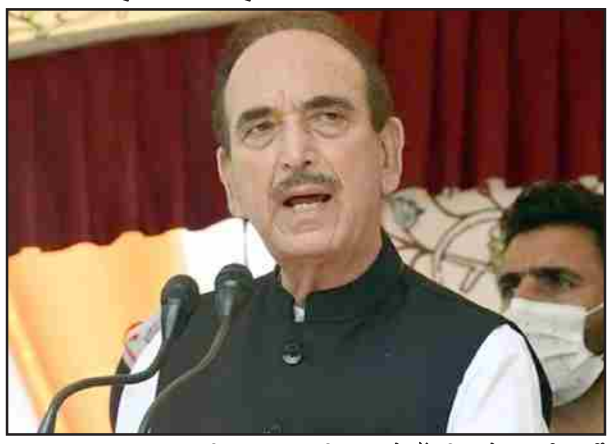

जम्मू, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीएपी) के प्रमुख गुलाम नबी आजाद ने शुक्रवार को कांग्रेस में लौटने की अटकलों पर पूर्ण विराम लगा दिया। उन्होंने कहा कि मैंने कभी किसी कांग्रेसी नेता से बात नहीं की और न ही किसी ने मुझे फोन किया। मुझे आश्चर्य होता है कि मीडिया में इस तरह की कहानियां क्यों गढ़ी जाती हैं?

आजाद आगे कहते है कि पुरानी पार्टी में उनकी वापसी की बातें कांग्रेस में कुछ नेताओं द्वारा गढ़ी गईं और उनमें कोई सच्चाई नहीं थी। आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं द्वारा ऐसे प्रयास इसलिए किए जाते हैं, जिससे उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं और उन्हें हतोत्साहित कर सकें।

इसी साल अगस्त महीने में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दिया था। वो काफी लंबे समय से पार्टी की नीतियों को लेकर नाराज चल रहे थे। कांग्रेस अध्यक्ष को पांच पृष्ठ का त्यागपत्र भेजकर कहा था कि उन्होंने भारी मन से यह कदम उठाया। साथ ही बोले थे कि भारत जोड़ो यात्रा से पहले कांग्रेस जोड़ो यात्रा निकाली जानी चाहिए थी। साथ ही यह आरोप लगाया था कि कांग्रेस लड़ने की अपनी इच्छाशक्ति और क्षमता खो चुकी।

भारतीय कंपनी की बनाई कफ सिरप से 18 बच्चों की मौत: नोएडा में रोका गया दवा का उत्पादन

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। उज्बेकिस्तान में खांसी की सिरप से बच्चों की मौत के मामले में नोएडा में दवा का उत्पादन रोक दिया गया। दरअसल इस मामले में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि मैरियन बायोटेक द्वारा निर्मित खांसी की दवा डॉक-1 मैक्स से उज्बेकिस्तान में कथित तौर पर 18 बच्चों की मौत से जुड़ी खबरों के मद्देनजर कंपनी की नोएडा इकाई में सभी उत्पादन गतिविधियों को रोक दिया गया है।

मांडविया ने ट्वीट कर बताया कि डॉक-1 मैक्स से उज्बेकिस्तान में कथित तौर पर 18 बच्चों की मौत से जुड़े मामले में आगे की जांच जारी है। उन्होंने लिखा, खांसी की दवा डॉक-1 मैक्स के विषाक्त होने से संबंधित खबरों के मद्देनजर केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की टीम द्वारा किए गए निरीक्षण के बाद मैरियन बायोटेक की नोएडा इकाई में सभी उत्पादन गतिविधियों को बृहस्पतिवार रात रोक दिया गया। मामले में आगे की जांच जारी है।

मैरियन बायोटेक के कानूनी प्रतिनिधि ने भी वीरवार को बताया था कि डॉक-1 मैक्स का उत्पादन फिलहाल रोक दिया गया है। मांडविया ने वीरवार को कहा था कि दवा कंपनी के निरीक्षण के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, उत्तर प्रदेश सरकार के एक अधिकारी ने कहा था कि मैरियन बायोटेक भारत में डॉक-1 मैक्स की बिक्री नहीं करती है और इसका निर्यात सिर्फ उज्बेकिस्तान में किया गया है।

मांडविया ने बताया था कि मैरियन बायोटेक की नोएडा इकाई से खांसी के उक्त सिरप के नमूने लेकर जांच के लिए चंडीगढ़ स्थित क्षेत्रीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला भेजे दिए गए हैं। उन्होंने कहा था कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) मामले को लेकर 27 दिसंबर से उज्बेकिस्तान के राष्ट्रीय दवा नियामक के साथ लगातार संपर्क में था।

वहीं, विदेश मंत्रालय ने बताया था कि भारत सरकार उज्बेक अधिकारियों के नियमित संपर्क में है और इस मामले में उनकी जांच का विवरण मांगा गया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था कि कंपनी से जुड़े कुछ लोगों को राजनयिक सहायता प्रदान की जा रही है, जो उज्बेकिस्तान में कानूनी कार्रवाई का सामना कर रहे हैं।

बागची ने बताया था कि उज्बेक अधिकारियों ने औपचारिक रूप से नयी दिल्ली के समक्ष यह मामला नहीं उठाया है। उन्होंने कहा था, बावजूद इसके, हमारे दूतावास ने उज्बेक अधिकारियों से संपर्क किया है और उनकी जांच के बारे में अतिरिक्त जानकारी मांगी है। वहीं, नोएडा स्थित मैरियन बायोटेक के कानूनी प्रतिनिधि हसन हैरिस ने कहा था कि दोनों देशों की सरकारें इस मामले को देख रही हैं। उन्होंने कहा था कि हमारी तरफ से कोई गड़बड़ी नहीं है और हमें जांच से भी कोई दिक्कत नहीं है। हम पिछले 10 साल से वहां के दवा बाजार में सक्रिय हैं। सरकार की रिपोर्ट आने के बाद हम इस पर गौर करेंगे। फिलहाल उत्पादन रोक दिया गया है।

पीएम मोदी ने बंगाल को दी वंदे भारत की सौगात

कहा- भारतीय रेल के आधुनिकीकरण पर सरकार रिकॉर्ड निवेश कर रही

कोलकाता, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि रेलवे के बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण में केंद्र सरकार रिकार्ड निवेश कर रही है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मौजूदगी में हावड़ा और न्यू जलपाईगुड़ी को जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के बाद मोदी ने कहा कि न्यू जलपाईगुड़ी सहित विभिन्न रेलवे स्टेशनों को हवाईअड्डों की तरह विकसित किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री को इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आज कोलकाता पहुंचना था लेकिन शुक्रवार को ही सुबह उनकी मां हीराबेन का निधन हो गया। गांधीनगर के मुक्ति धाम में प्रधानमंत्री की मां का अंतिम संस्कार किया गया।

अंतिम संस्कार के बाद प्रधानमंत्री वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से अहमदाबाद से इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि रेल लाइनों का दोहरीकरण और उनके विद्युतिकरण का काम रिकॉर्ड गति से हो रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्वी और पश्चिमी माल ढुलाई गलियारे देश की अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगे।

उन्होंने कहा, आज वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत उस भूमि से की गई हैं जहां वंदे मातरम का जयघोष हुआ था।

मोदी ने कहा कि आज 30 दिसंबर की तारीख का भी इतिहास में अपना बहुत महत्व है क्योंकि 1943 में आज ही के दिन नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने अंडमान में तिरंगा फहराकर भारत की आजादी का बिगुल फूंका था।

जल प्रदूषण के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि केंद्र नदियों के प्रदूषण को रोकने पर जोर दे रहा है।

उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में 25 नयी सीवर उपचार परियोजनाएं होंगी, जिनमें से 11 पहले ही पूरी हो चुकी हैं, जबकि सात का आज उद्घाटन किया जाएगा।

उन्होंने कहा, आजादी के अमृत काल के इस साल में हम देश को आगे ले जाने के लिए भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण अपनाएंगे। दुनिया भारत को बड़े विश्वास के साथ देख रही है। इस उम्मीद पर खरा उतरने के लिए हर भारतीय को कड़ी मेहनत करनी होगी।

इस अवसर पर कोलकाता में राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी उपस्थित थे।

वंदे भारत एक्सप्रेस हावड़ा और पूर्वोत्तर के प्रवेश द्वार न्यू जलपाईगुड़ी को जोड़ेगी।

अधिकारियों ने कहा कि नीले-सफेद रंग की यह ट्रेन 7 घंटे 45 मिनट में 564 किमी की दूरी तय करेगी। इससे इस मार्ग पर अन्य ट्रेनों की तुलना में यात्रा के समय में तीन घंटे की बचत होगी। इसके तीन स्टेशन बारसोई, मालदा और बोलपुर होंगे। अत्याधुनिक ट्रेन में 16 डिब्बे हैं।

यह अत्याधुनिक सेमी हाई स्पीड गाड़ी उत्कृष्ट यात्री सुविधाओं से लैस है। गाड़ी दोनों दिशाओं में आते-जाते समय मालदा टाउन, बारसोई और किशनगंज स्टेशनों पर रुकेगी।

आधुनिक यात्री सुविधाओं से युक्त वंदे भारत एक्सप्रेस को नियमित यात्रियों, चाय उद्योग से जुड़े अधिकारियों और उत्तरी बंगाल और सिक्किम में हिमालयी क्षेत्र की यात्रा करने वाले पर्यटकों द्वारा पसंद किए जाने की संभावना है।

कार्यक्रम में मौजूद मुख्यमंत्री बनर्जी ने इस अवसर पर मोदी की मां हीराबेन के निधन पर शोक व्यक्त किया।

उन्होंने कहा, आपकी मां हमारी भी मां हैं।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि मोदी जिन पांच रेल परियोजनाओं की शुरुआत कर रहे हैं उनमें से चार पर काम रेल मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय गंगा परिषद की दूसरी बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे।

पड़ोसियों से अच्छे संबंधों के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता नहीं करेंगे : राजनाथ सिंह

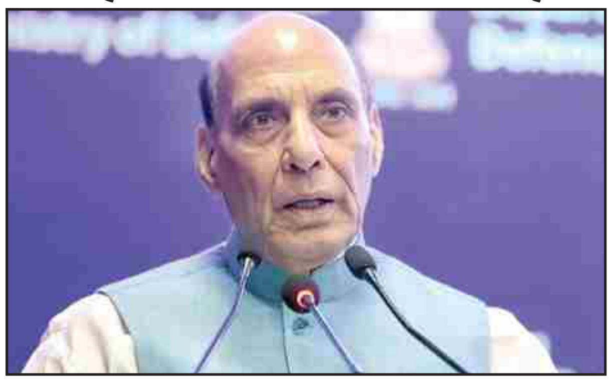

तिरुवनंतपुरम, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत अपने पड़ोसियों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखना और इन्हें भविष्य में भी बनाए रखना चाहता है, लेकिन यह राष्ट्रीय सुरक्षा की कीमत पर नहीं किया जाएगा। यहां शिवगिरि मठ की 90वीं वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की उस टिप्पणी को याद किया जिसमें उन्होंने कहा था कि हम दोस्त बदल सकते हैं लेकिन पड़ोसी नहीं। रक्षा मंत्री ने कहा, हमें अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे और मैत्रीपूर्ण संबंधों की आवश्यकता है।

लेकिन, हम अच्छे संबंध बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता नहीं करेंगे। हम अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की कीमत पर किसी के साथ अच्छे संबंध नहीं चाहते हैं। राजनाथ सिंह ने केरल के समाज सुधारक श्री नारायण गुरु की शिक्षाओं के बारे में भी बात की, जैसे उद्योग के माध्यम से समृद्धि, जो भारत सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' नीति का आधार है। रक्षा मंत्री ने कहा, इसी के परिणामस्वरूप हमें दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता है और हमारी सेना को एक शक्ति के रूप में देखा जाता है।

उन्होंने कहा, उद्योग के माध्यम से समृद्धि का उनका उपदेश भारत के 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प का आधार है। आज भारत अपनी कड़ी मेहनत और उद्यम की बदौलत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। आज भारत दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता है। राजनाथ सिंह ने कहा, श्री नारायण गुरू के उद्योग के जरिए समृद्धि के उपदेश पर आधारित 'आत्मनिर्भर भारत' पर सरकार के जोर के कारण दुनिया भारत को एक सैन्य शक्ति के रूप में जानती है।

उन्होंने कहा कि स्वावलंबन भारत की संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है और श्री नारायण गुरू ने अपने उपदेशों के जरिए जन-जन में इस संदेश को फैलाया है और शिवगिरी मठ भी इसे निरंतर आगे जाने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब वह सशस्त्र बलों की मदद से और प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में भारत के शरीर (सीमाओं) की रक्षा के लिए काम कर रहे थे, तब मठ के संत देश की 'आत्मा' की रक्षा के लिए काम कर रहे थे। सिंह ने कहा, मैं आपके द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करता हूं।

हम एक राष्ट्र के रूप में तभी जीवित रह सकते हैं जब शरीर और आत्मा दोनों सुरक्षित हों। रक्षा मंत्री ने इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबेन के निधन पर भी शोक जताया। सिंह ने कहा कि जब उन्हें इस दुखद खबर का पता चला तो वह दिल्ली लौटने पर विचार कर रहे थे लेकिन प्रधानमंत्री ने सभी से कहा कि वापस आने से पहले सभी को अपने आधिकारिक काम पूरे करने चाहिए। उन्होंने कहा, इसलिए यहां प्रत्येक व्यक्ति, शिविगिरी मठ और मैं अपनी तरफ से, मां हीराबेन को श्रद्धांजलि देना चाहता हूं। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने एक मिनट का मौन रखा। शिवगिरी मठ केरल के तिरुवनंतपुरम जिले के वरकाला शहर में एक मशहूर पर्यटक तीर्थस्थल है।

प्रवासी मतदाताओं के लिए मतदान की उम्मीद बढ़ी

चुनाव आयोग ने रिमोट वोटिंग मशीन का शुरुआती मॉडल किया तैयार

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 30 दिसम्बर। भारतीय चुनाव आयोग ने मतदान के दौरान विभिन्न कार्यों से अपने मतदान केंद्रों से दूर रहने वाले मतदाताओं को अपने मौजूदा स्थान से ही गृह जनपद के चुनाव में वोट डालने में सक्षम करने हेतु एक रिमोट वोटिंग मशीन (आरवीएम) विकसित की है। इसके माध्यम से मतदाता वोटिंग के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र के बाहर से ही अपने पसंदीदा उम्मीदवार को वोट दे सकते हैं।

आयोग के अनुसार 2019 के लोकसभा चुनाव में अपने गृह जनपद से दूर दूसरे राज्यों में होने के कारण बहुत सारे लोग मतदान नहीं कर सके थे। आंकड़ों के अनुसार उस समय सिर्फ 67.4 प्रतिशत ही वोटिंग हुई थी और 30 करोड़ से ज्यादा लोग वोट देने से वंचित रह गए थे। इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं के वोट न डाल पाने की समस्या को देखते हुए ही चुनाव आयोग ने आरवीएम को तैयार किया है।

केंद्रीय चुनाव आयोग के संयुक्त मीडिया निदेशक अनुज चांडक ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि देश में घरेलू प्रवासन पर कोई केंद्रीय डाटाबेस नहीं है। हालांकि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि जीविका, शिक्षा और विवाह जैसे कारण ही घरेलू प्रवासन की प्रमुख वजहें हैं। वहीं समग्र रूप से ग्रामीण आबादी के बीच यह आउट-माइग्रेशन अधिक है। आंतरिक प्रवासन का लगभग 85 प्रतिशत राज्यों के भीतर ही है।

गौरतलब है कि देश के मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में कार्यभार सम्भालने के बाद ही राजीव कुमार ने चमोली जिले के दुमक गांव की स्थिति देखकर घरेलू प्रवास के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रवासी मतदाताओं को अपने वर्तमान निवास स्थान से ही मताधिकार का प्रयोग करने में सक्षम बनाने हेतु पहल शुरू की थी। इस तरह का सशक्तिकरण सुनिश्चित करने हेतु कानूनी, वैधानिक, प्रशासनिक और तकनीकी हस्तक्षेप के साथ ईसीआई टीम ने सभी सामाजिक स्तरों के घरेलु प्रवासियों की चुनावी भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए समावेशी समाधान खोजे हैं। इनमें पोस्टल बैलेट, प्रॉक्सी वोटिंग, पोस्टल बैलटों का वनवे या टूवे इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन (ईटीपीबीएस), इंटरनेट आधारित मतदान प्रणाली आदि शामिल हैं।

इसी कड़ी में अब मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के साथ चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पाण्डेय और अरूण गोयल की अध्यक्षता वाला आयोग ने एक विश्वसनीय, सुलभ और सभी हितधारकों को स्वीकार्य होने वाले तकनीकी समाधान खोजने के उद्देश्य से टाइम टेस्टेड एम3 ईवीएम मॉडल की तलाश की है जो घरेलू प्रवासियों को गृह क्षेत्र के बाहर के मतदान केंद्रों से ही अपने घरेलू क्षेत्र के लिए मतदान करने हेतु सक्षम बनायेगा।

आयोग के अनुसार उसने रिमोट वोटिंग के लिए प्रोटोटाइफ रिमोट इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (आरवीएम) तैयार की है जो एक मतदान केंद्र से 72 अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान करवा सकती है। इस मशीन की टेस्टिंग के लिए आयोग ने 16 जनवरी को सभी राजनीतिक पार्टियों को बुलाया है। चुनाव आयोग के अधिकारी इस दिन सभी राजनीतिक दलों को बताएंगे कि आरवीएम कैसे काम करेगी और कैसे लोग बाहर से घर बैठकर ही वोट डाल सकेंगे।

इसके अलावा चुनाव आयोग ने मतदान प्रणाली को लेकर ने 31 जनवरी तक सभी राजनीतिक पार्टियों को अपनी लिखित राय देने के लिए भी कहा है।

आयोग का कहना है कि राजनीतिक पार्टियों के फीडबैक मिलने के बाद ही आरवीएम से मतदान की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। अगर रिमोट वोटिंग व्यवस्था लागू हो जाती है तो देश के किसी भी कोने से लोग आसानी से अपने वोट डाल सकेंगे। इस व्यवस्था से मतदान प्रतिशत में भी बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

डियर साप्ताहिक लॉटरी कोलकाता निवासी ने ₹1 करोड़ जीते

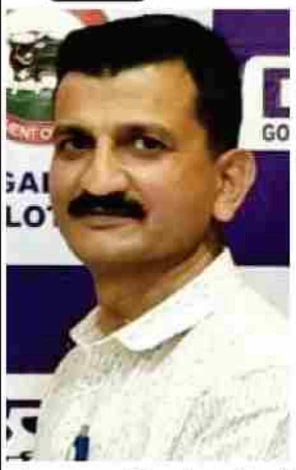

कोलकाता, पश्चिम बंगाल के श्री इमरान खान ने **17.11.2022** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर **98D 09809** है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार विजेता टिकट जमा कर दी है। "जब मुझे यह पता चला कि मैंने डियर लॉटरी से पुरस्कार राशि के एक करोड़ रुपए जीत लिए हैं, तो मुझे बेहद खुशी हुई। इसने मुझे ढेर सारी उम्मीदें और ऊर्जा प्रदान की है, क्योंकि इससे आर्थिक मुद्दों के सम्बंध में जीवन यापन आसान बन जायेगा। मैं इस विशाल पुरस्कार राशि का पूरा उपयोग अपने जीवन को उन्नत बनाने में कर सकता हूं।" विजेता ने कहा।

डियर साप्ताहिक लॉटरी पटियाला की एक गृहिणी ने ₹1 करोड़ जीते

पटियाला, पंजाब की श्रीमती दलजीत कौर ने **16.11.2022** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर **46C 16252** है। उन्होंने नागालैंड स्टेट लॉटरीज के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार विजेता टिकट जमा कर दी है। "एक गृहिणी होने के तौर पर एक करोड़पति बनना काफी खुशी प्रदान करता है। किसी भी गृहिणी को अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में संतुलन बनाए रखना पड़ता है। हमारे जीवन में पैसों की महत्वपूर्ण भूमिका है और बचत बनाये रखना भी काफी महत्वपूर्ण है। अब यह विशाल पुरस्कार राशि हमें और अधिक सुविधा सम्पन्न रखेगी।" विजेता ने कहा। डियर लॉटरी के ड्रॉ लाइव दिखाये जाते हैं।

पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित होगा लाबदांग : मंत्री खरेल

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 30 दिसम्बर। पश्चिम सिक्किम के योक्सम ताशीडिंग विधानसभा के अंतर्गत लाबदांग सेकेंडरी स्कूल मैदान में आज राज्यस्तरीय तमु लोछार महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्य सरकार के भवन व आवास मंत्री संजीत खरेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके अलावा महोत्सव में क्षेत्रीय विधायक एवं विधानसभा उपाध्यक्ष सांगे लेप्चा, परिवहन अध्यक्ष बसंत तामंग, आयोजन समिति के अध्यक्ष केएस गुरूंग के साथ ही विभिन्न जिला पंचायत एवं ग्राम पंचायत सदस्यगण भी उपस्थित थे।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष दक्षिण सिक्किम के नामथांग में राज्यस्तरीय तमु लोछार महोत्सव आयोजित किया गया था। इस वर्ष यह योक्सम ताशीडिंग समष्टि के दूरदराज के गांव लाबडांग में भव्य रूप से मनाया गया है। मेले का समापन 31 दिसंबर को होगा।

समारोह में आयोजन समिति ने मुख्य अतिथि मंत्री संजीत खरेल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि पहले इस गांव को दूरदराज का गांव माना जाता था, लेकिन अब वर्तमान सरकार ने इसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल बनाने की योजना बनाई है। उन्होंने आगे कहा कि गांव में सड़क गुणवत्ता में सुधार हुआ है। इससे यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और क्षेत्र का आर्थिक विकास सुनिश्चित होगा।

मंत्री खरेल ने यह भी बताया राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) स्वयं इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले थे, लेकिन कुछ व्यस्तता के कारण वह इसमें शामिल हो पाये। उनके प्रतिनिधि के रूप में ही वे स्वयं कार्यक्रम में मौजूद हुए हैं और यहां लोगों की मांगों को वह मुख्यमंत्री तक पहुंचायेंगे। साथ ही उन्होंने निकट भविष्य में गांव में रोधी आवास भी बनाये जाने की बात कहते हुए सरकार के पास गांव के लिए कई योजनाएं होने की बात कही।

इसस पहले कार्यक्रम आयोजन समिति के अध्यक्ष केबी गुरुंग ने तमु लोछार के बारे में जानकारी देते हुए कहा है कि कुछ दिन पहले से ही गांव में इस मेला महोत्सव के आयोजन हेतु मान्यता मिली है। उन्होंने कहा कि इस गांव में गुरूंग समुदाय के लोगों की अधिकता के कारण इस वर्ष यहां इस महान पर्व का पालन किया जा रहा है। कार्यक्रम में ऑल सिक्किम तमु गुरुंग संघ के प्रतिनिधि, स्थानीय स्कूलों के प्रधानाचार्य और अन्य लोगों ने भी भाग लिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com